दिल्ली में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से मिले सीएम डॉ मोहन, इन मुद्दों पर की चर्चा

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

लोक शक्ति

बिना लॉक तोड़े पेट्रोल पम्प से चोरी कर लिया गया 13500 लीटर डीजल, पाइप

RNI Regn. No.CHHHIN/2022/83847 | वर्ष-04 > अंक -135 | बिलासपुर | गुरूवार 09 अक्टूबर 2025 विक्रम संवत 2082 | पृष्ठ 8 > मूल्य : 2 रू. | डाक पंजीयन : C.G./RYP DN/71/2023-25

बीएसएफ ने पिस्तौल के पुर्जे और पाकिस्तान निर्मित गोला-बारूद किया बरामद

जालंधर ,एजेंसी पंजाब में सीमा पार तस्करी गतिविधियों के खिलाफ अपने निरंतर अभियान में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने तरनतारन सीमा पर पिस्तौल के पुर्जे और कारतूस बरामद किए। बीएसएफ के प्रवक्ता ने मंगलवार को बताया कि सोमवार शाम तरनतारन सीमा पर तलाशी के दौरान, सतर्क बीएसएफ जवानों ने नौशेरा ढल्ला गाँव के पास एक पिस्तौल की स्लाइड असेंबली वाली एक प्लास्टिक की बोतल बरामद की। बोतल पीले रंग के चिपकने वाले टेप में लिपटी हुई थी और उसमें एक धातु का तार लगा हुआ था, जो ड्रोन द्वारा गिराए जाने का संकेत देता है।

प्रवक्ता ने बताया कि आज सुबह एक संदिग्ध ड्रोन गतिविधि पर नज़र रखते हुए बीएसएफ जवानों ने तरनतारन के राजोके गाँव से सटे एक खेत से 9 मिमी कैलिबर के 75 कारतूसों से भरा एक पैकेट सफलतापूर्वक जब्त किया। गोला-बारूद पर पाकिस्तान ऑर्डिनेंस फैक्ट्री की मुहरें लगी थीं, जिससे भारतीय धरती पर आतंकवादी गतिविधियों की योजना बना रहे पाक प्रायोजित तत्वों की संलिप्तता की पुष्टि होती है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुंबई को दी सौगातें

नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट और मेट्रो लाइन-3 का हुआ भव्य उद्घाटन

नवी मुंबई एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (एनएमआईए) का उद्घाटन किया, जो भारत की विमानन यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। इस अवसर पर बोलते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि यह हवाई अड्डा एशिया का सबसे बड़ा कनेक्टिविटी हब बनेगा और महाराष्ट्र के किसानों को सीधे वैश्विक बाजारों से जोड़ेगा।

नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट एक उल्लेखनीय पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप मॉडल के तहत विकसित किया गया है। यह परियोजना मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड जो अदाणी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड (एएएचएल) की सहायक कंपनी है और सिडको के बीच साझेदारी में साकार हुई है। यह भारत की इंफ्रास्ट्रक्चर निर्माण दृष्टि और विकसित भारत 2047 के संकल्प को मूर्त रूप देती है।अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी ने कहा, ÷यह सिर्फ एक एयरपोर्ट नहीं बल्कि भारत को वैश्विक द्वार के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक बेहतरीन कदम है। यह इंफ्रास्ट्रक्चर आज की ज़रूरत ही नहीं, बल्कि आने वाले दशकों की संभावनाओं का निर्माण करता है। आने वाली पीढ़ियों के लिए यह एयरपोर्ट सिर्फ यात्रियों को नहीं, बल्कि एक उभरती महाशक्ति की धड़कन, उसके सपने और उसकी आकांक्षाएं लेकर चलेगा।÷अदाणी एयरपोर्ट्स होल्डिंग्स लिमिटेड के निदेशक जीत अदाणी ने कहा, ÷एनएमआईए भारत की विमानन यात्रा में एक मील का पत्थर है, जो आधुनिक तकनीक और यात्री अनुभव को एक साथ जोड़ता है। यह छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट (सीएसएमआईए) को सहायक बनाकर मुंबई को एक वैश्विक एविएशन हब के रूप में सुदृढ़ करता है। एनएमआईए का उद्घाटन भारत की विमानन क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम है और यह देश के आर्थिक विकास को बढ़ावा देने में मदद करेगा।

हवाई अड्डे की विशेषताएं आधुनिक सुविधाएं

कमल-प्रेरित डिज़ाइन हवाई अड्डे का डिज़ाइन कमल के फूल से प्रेरित है, जो भारतीय संस्कृति और समृद्धि का प्रतीक है।
हरित और ऊर्जा-कुशल - हवाई अड्डा प्राकृतिक रोशनी, ऊर्जा दक्षता और पर्यावरणीय स्थिरता को ध्यान में रखकर बनाया गया है।
आर्थिक और क्षेत्रीय प्रभाव - किसानों को लाभ एनएमआईए महाराष्ट्र के किसानों को सीधे वैश्विक बाजारों से जोड़ेगा, जिससे उनकी आय में वृद्धि होगी।
आर्थिक विकास - हवाई अड्डा क्षेत्रीय आर्थिक विकास को बढ़ावा देगा और रोजगार के अवसर पैदा करेगा।
भविष्य की योजनाएं - विस्तार योजना- एनएमआईए की क्षमता 20 मिलियन यात्रियों प्रति वर्ष से बढ़कर 90 मिलियन यात्रियों प्रति वर्ष हो जाएगी।
मल्टी-मॉडल हब - हवाई अड्डा मुंबई ट्रांस हार्बर लिंक, नवी मुंबई और मुंबई मेट्रो, उपनगरीय रेल नेटवर्क और प्रस्तावित जलमार्गों से जुड़ा होगा।

व्यापारिक और रणनीतिक सहयोग बढ़ाने पर रहेगा फोकस

पहली बार भारत दौरे पर आए ब्रिटेन के प्रधानमंत्री

नई दिल्ली एजेंसी। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर दो दिवसीय यात्रा पर भारत पहुंचे हैं। बुधवार की सुबह मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर महाराष्ट्र के गवर्नर आचार्य देवव्रत ने उनका स्वागत किया। इस दौरान महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे भी मौजूद रहे।

बता दें, पीएम स्टार्मर ने जब से ब्रिटेन का पदभार संभाला है, उसके बाद यह उनकी पहली भारत यात्रा है। ब्रिटेन पीएम के डाउनिंग स्ट्रीट के ऑफिस नंबर 10 ने उनकी इस यात्रा को 'मुंबई के लिए दो दिवसीय व्यापार मिशन' बताया। पीएम ऑफिस की ओर से साझा जानकारी के अनुसार इस यात्रा पर भारत और ब्रिटेन के बीच व्यापारिक संबंधों को मजबूत करने और रणनीतिक सहयोग बढ़ाने पर ज्यादा फोकस रहेगा।

बता दें, इससे पहले भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ब्रिटेन की यात्रा की थी। जुलाई 2025 में पीएम मोदी ब्रिटेन पहुंचे थे, जिसके कुछ ही महीनों के बाद अब ब्रिटेन के पीएम का भारत दौरा हुआ है। पीएम मोदी के ब्रिटेन दौरे के दौरान दोनों देशों के बीच लंबे समय से चर्चा में रहे व्यापार समझौते पर मुहर लगी थी।

IMC 2025 में बोले ज्योतिरादित्य सिंधिया,

6जी की रेस में भारत करेगा दुनिया का नेतृत्व

एजेंसी

इंडिया मोबाइल कांग्रेस (IMC) 2025 के उद्घाटन सत्र में केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने भारत को वैश्विक तकनीकी नेतृत्व की नई ऊंचाइयों पर ले जाने का विजन पेश किया। सिंधिया ने 6जी को भारत के डिजिटल भविष्य का आधार स्तंभ बताया। उन्होंने कहा कि यह तकनीक कृषि, स्मार्ट सिटी, स्वास्थ्य सेवा, आपदा प्रबंधन और अन्य क्षेत्रों को पूरी तरह बदल देगी। अब समय आ गया है जब दुनिया कहेगी कि वैश्विक तकनीक भारत पर निर्भर है, उन्होंने जोर देकर कहा। भारत 6जी एलायंस के माध्यम से अगले कुछ वर्षों में 6जी पेटेंट्स में वैश्विक हिस्सेदारी हासिल करने की योजना पर काम कर रहा है, जो 2022 में प्रधानमंत्री मोदी द्वारा लॉन्च किया गया था।

उन्होंने कहा कि भारत अब केवल तकनीक का उपभोक्ता नहीं रह गया है, बल्कि ग्लोबल स्तर पर मानक तय करने वाला इनोवेटर बन चुका है। इंटरनेशनल भारत 6त्न सिम्पोजियम को संबोधित करते हुए सिंधिया ने दावा किया कि 6जी तकनीक भारत को विश्व पटल पर नेतृत्व दिलाएगी और 2035 तक देश की जीडीपी में 1.2 ट्रिलियन डॉलर का इजाफा कर सकती है।

मोदी बोले- मुंबई हमले का जवाब देना चाहती थी सेना : कांग्रेस ने विदेशी दबाव में रोक दिया

एजेंसी। पीएम मोदी बुधवार को दो दिन के मुंबई दौरे पर पहुंचे हैं। यहां उन्होंने कई प्रोजेक्ट्स का इनॉगरेशन किया और संबोधन भी किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को कहा कि 2008 में 26/11 मुंबई आतंकी हमले के दौरान कांग्रेस सरकार ने कार्रवाई न कर कमजोरी का संदेश दिया था और आतंकियों के सामने घुटने टेके थे। उन्होंने कहा कि हमारी सेनाएं पाकिस्तान पर हमला करने के लिए तैयार थी, लेकिन सरकार ने विदेशी दबाव में ऐसा नहीं करने दिया। उन्होंने यह बात नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पहले फेज का उद्घाटन के दौरान कही। पीएम ने मनमोहन सरकार में गृह मंत्री रहे पी चिदंबरम का नाम लिए बिना उनके बयान का जिक्र किया। 30 सितंबर को चिदंबरम ने कहा, ÷26/11 के मुंबई आतंकी हमले के बाद उनके मन में भी बदला लेने का विचार आया था, लेकिन उस वक्त की कांग्रेस सरकार ने सैन्य कार्रवाई नहीं करने का फैसला लिया।÷ पीएम ने 22 मिनट की स्पीच में ऑपरेशन सिंदूर, जीएसटी रिफॉर्म और विकसित भारत का जिक्र किया। PM बुधवार को दो दिन के दौरे पर मुंबई पहुंचे। गुरुवार को वे ब्रिटिश पीएम कीर स्टार्मर से मिलेंगे।

2008 में कांग्रेस ने कमजोरी का मैसेज दिया: साथियों मुंबई भारत की आर्थिक राजधानी के साथ सबसे वाइब्रेंट शहरों में से एक है। 2008 में आतंकियों ने भी मुंबई शहर को बड़े हमले के लिए चुना। तब की कांग्रेस सरकार ने कमजोरी का मैसेज दिया। आतंकियों के सामने घुटने टेके। हाल ही में कांग्रेस के बड़े नेता और जो देश के गृह मंत्री तक रह चुके हैं। उन्होंने एक इंटरव्यू में दावा किया कि मुंबई हमले के बाद हमारी सेनाएं पाकिस्तान पर हमला करने के लिए तैयार थीं। पूरा देश भी यही चाहता था, लेकिन उस नेता की माने तो किसी दूसरे देश के दबाव के कारण कांग्रेस सरकार ने भारत की सेनाओं को पाकिस्तान पर हमला करने से रोका।

जयपुर-अजमेर हाईवे पर 2 घंटे में फटे 200 सिलेंडर, केमिकल से भरा टैंकर LPG ट्रक में घुसा; एक की मौत

जयपुर एजेंसी

जयपुर-अजमेर राष्ट्रीय राजमार्ग पर मंगलवार देर रात सावरदा पुलिया के समीप गैस सिलेंडरों से भरे टैंकर और केमिकल से लदे ट्रक की टक्कर में भीषण हादसा हो गया। टक्कर के बाद सिलेंडरों से भरा टैंकर पलट गया और देखते ही देखते एक के बाद एक जोरदार धमाके होने लगे। दो घंटे तक 200 सिलेंडर फटते रहे। धमाकों की आवाज 10 किमी दूर तक सुनाई दी, जिससे आसपास के क्षेत्र में दहशत फैल गई। हादसे में एक व्यक्ति की मौत की पुष्टि हुई है, जबकि कई वाहन आग की चपेट में आने की आशंका जताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही दूदू, बगरू और किशनगढ़ से दमकल की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया।

मुंबई में ईडी की बड़ी कार्रवाई, दाऊद इब्राहिम के करीबी सलीम डोला के ड्रग नेटवर्क पर छापा

मुंबई एजेंसी।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए मुंबई में अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम के करीबी सलीम डोला से जुड़े ड्रग सिंडिकेट पर शिकंजा कसा है। मनी लॉन्ड्रिंग निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत ईडी ने बुधवार को मुंबई में 8 ठिकानों पर तलाशी अभियान चलाया।

यह छापेमारी फैसल जावेद शेख और अल्फिया फैसल शेख की ओर से संचालित एक ड्रग तस्करी नेटवर्क से जुड़ी अवैध कमाई का पता लगाने के लिए की गई है। शुरुआती जांच में यह सामने आया है कि फैसल शेख, कुख्यात ड्रग तस्कर सलीम डोला के जरिए एमडी जैसे ड्रग्स की खरीद-फरोख्त कर रहा था।

सलीम डोला लंबे समय से कानून प्रवर्तन एजेंसियों की निगरानी में है। उस पर न सिर्फ मादक पदार्थों की तस्करी के आरोप हैं, बल्कि उसके खिलाफ अवैध नेटवर्क को फंडिंग करने के भी गंभीर आरोप हैं।

मुंबई पुलिस के मुताबिक, सलीम डोला दाऊद इब्राहिम के उस विश्वसनीय सर्कल का हिस्सा है, जो भारत में ड्रग्स तस्करी का नेटवर्क संभालता है। सलीम डोला का नाम ड्रग्स केस में पहले भी आया था, जब मुंबई क्राइम ब्रांच की एंटी नारकोटिक्स सेल ने 100 किलो फेंटानिल ड्रग्स जब्त की थी। अवैध कारोबार में सलीम का बेटा ताहिर और भांजा मुस्तफा भी मदद करते थे। इसी कारण उन्हें आरोपी बनाकर इसी साल जुलाई में गिरफ्तार किया गया।

देश | स्थापना दिवस पर वायुसेना प्रमुख ने भरी हुंकार

भारतीय वायुसेना हर चुनौती का सामना करने के लिए तैयार': वायुसेना प्रमुख

नई दिल्ली एजेंसी

भारतीय वायुसेना बुधवार को अपना 93वां स्थापना दिवस मनाने जा रही है। इस अवसर पर वायु वायुसेना के जाबांज फाइटर पायलट्स एवं अन्य एयरफोर्स अधिकारियों को सम्मानित किया जाएगा। इनमें एयरफोर्स के वे वीर भी शामिल हैं जिन्होंने 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान पाकिस्तान पर जीत हासिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

गाजियाबाद स्थित हिंडन एयर बेस पर होने वाले एयरफोर्स डे कार्यक्रम में दुश्मन पर बिजली बनकर टूट पड़ने वाले 97 एयर फाइटर्स को सम्मानित किया जाएगा। इससे पहले बुधवार सुबह तीनों सेनाओं के प्रमुख एवं चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ शहीदों को श्रद्धांजलि देंगे।

93वें वायुसेना दिवस की पूर्व संध्या पर वायुसेना प्रमुख, एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने देशवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि आज के अनिश्चित वैश्विक माहौल में वायु शक्ति राष्ट्रीय सुरक्षा का निर्णायक साधन बन चुकी है। भारतीय वायुसेना हर चुनौती का सामना करने के लिए तीव्रता, सटीकता और दृढ़ संकल्प के साथ सदैव तैयार है। उन्होंने कहा कि मैं अपने सभी वायुसैनिकों को नमन करता हूं। देश की सीमाओं की रक्षा, नागरिक आबादी की सुरक्षा और सैन्य ठिकानों की सुरक्षा हमारे सर्वोच्च दायित्व हैं। हमारी प्रतिबद्धता अडिग है। राष्ट्र की सेवा में असफल न होना हमारा संकल्प है। भारतीय वायुसेना के हर अभियान में अनुशासन, तकनीकी दक्षता और सर्वोच्च पेशेवरता का परिचय मिलता है। उन्होंने कहा, ÷हमारे संचालन सटीकता और अनुशासन का प्रतीक हैं। हमारे वायुसैनिक देश के आकाश के सच्चे प्रहरी हैं।÷

हर दिन 125 किमी जमीन कब्जा रहा रूस:, यूक्रेन को लेकर पुतिन का खुलासा

अब तक 5,000 वर्ग किमी पर लिया नियंत्रण

मॉस्को ,एजेंसी।

यूक्रेन से जारी जंग के बीच पहली बार रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कब्जे को लेकर आधिकारिक रिपोर्ट जारी की है। पुतिन ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि रूस ने इस साल अब तक करीब 5,000 वर्ग किलोमीटर जमीन पर नियंत्रण हासिल किया है, जो यूक्रेन के कुल क्षेत्रफल का लगभग एक प्रतिशत है। पुतिन के मुताबिक रूस अपने सैन्य मिशन में लगातार प्रगति कर रहा है।

एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, रूस ने 2022 में युद्ध शुरू होने के बाद से अब तक यूक्रेन के करीब 20 प्रतिशत हिस्से पर कब्जा जमा लिया है। यूक्रेन का कुल क्षेत्रफल 6,03,628 वर्ग किलोमीटर है, यानी रूस वर्तमान में लगभग 1,20,000 वर्ग किलोमीटर

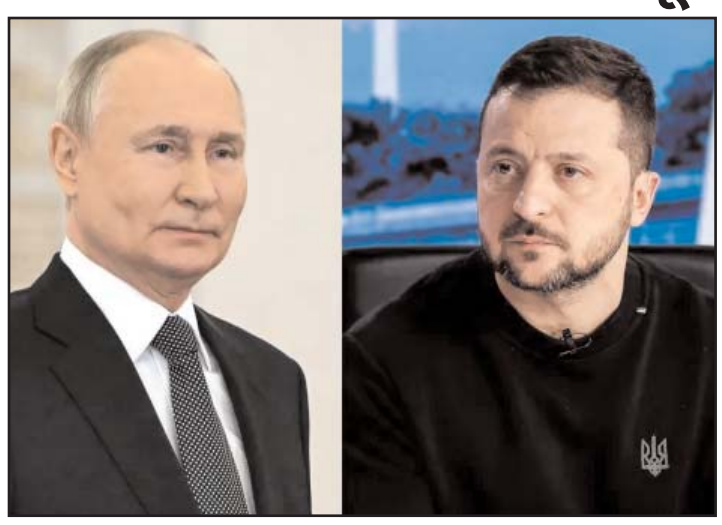

क्षेत्र को नियंत्रित कर रहा है। रूस ने युद्ध के दौरान यूक्रेन के डोनबास, डोनेस्क और सुमी जैसे रणनीतिक रूप से अहम इलाकों पर कब्जा किया है। इन क्षेत्रों पर नियंत्रण के कारण यूक्रेन का ब्लैक सी से संपर्क लगातार कमजोर होता जा रहा है। रूस की मंशा यूक्रेन को समुद्री मार्ग से पूरी तरह अलग करने की मानी जा रही है।

वहीं, व्हाइट हाउस में यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की द्वारा जारी एक नक्शे के अनुसार, रूस ने लुहांस्क का 99 प्रतिशत, डोनेस्क का 76 प्रतिशत, जपोरिजिया का 73 प्रतिशत और खेरसोन के 73 प्रतिशत हिस्से पर कब्जा कर लिया है। गौरतलब है कि रूस ने 2014 में ही क्रीमिया पर नियंत्रण कर लिया था, जो अब भी रूसी कब्जे में है।

यूक्रेन के रक्षा मंत्रालय का दावा है कि युद्ध में अब तक रूस के 11 लाख 17 हजार सैनिक मारे जा चुके हैं। बीते 24 घंटों में ही रूस के 1,020 सैनिक या तो मारे गए या घायल हुए हैं। इसके अलावा 427 रूसी विमान, एक पनडुब्बी और 28 नौसैनिक बोट नष्ट की जा चुकी हैं। यूक्रेन का कहना है कि अब तक रूस के 11,238 टैंक और 33,493 आर्टिलरी सिस्टम भी नष्ट किए जा चुके हैं। रिपोर्टों के मुताबिक, इस जंग में उत्तर कोरिया खुले तौर पर रूस की मदद कर रहा है।

इक्वाडोर के राष्ट्रपति की कथित तौर पर हत्या की कोशिश, 500 लोगों ने नोबोआ के काफिले को घेरा

क्विटो ,एजेंसी । इक्वाडोर के राष्ट्रपति डेनियल नोबोआ की कथित तौर पर हत्या की कोशिश का मामला सामने आया है। इक्वाडोर सरकार की ओर से साझा जानकारी के अनुसार राष्ट्रपति नोबोआ दक्षिणी प्रांत कैनर की यात्रा पर थे, जिस दौरान कथित तौर पर उनकी हत्या की कोशिश की गई। मामले में आपराधिक शिकायत दर्ज कराई गई है। पर्यावरण एवं ऊर्जा मंत्री इनेस मंज़ानो ने इस मामले में जानकारी दी है कि नोबोआ के काफिले पर मंगलवार को एल ताम्बो शहर में हमला हुआ।

कैलिफोर्निया में दिवाली से पहले भारतीयों को मिला गिफ्ट, स्टेट हॉलिडे घोषित; अमेरिका का तीसरा राज्य बना

न्यूयॉर्क एजेंसी

अमेरिका का कैलिफोर्निया राज्य में रहने वाले भारतीयों के लिए दिवाली से पहले बड़ी खबर सामने आई है। कैलिफोर्निया राज्य ने दिवाली को आधिकारिक राजकीय अवकाश के रूप में मान्यता दे दी है। इस फैसले के साथ कैलिफोर्निया, अमेरिका का तीसरा राज्य बन गया है जिसने भारत के इस प्रकाश पर्व को औपचारिक अवकाश के रूप में अपनाया है।

कैलिफोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूसम ने विधानसभा सदस्य ऐश कालरा द्वारा पेश किए गए 'एबी 268' विधेयक पर हस्ताक्षर कर दिए हैं। यह विधेयक सितंबर में कैलिफोर्निया विधानमंडल के दोनों सदनों से पारित हो गया था और अब गवर्नर की मंजूरी के बाद यह कानून बन गया है।

विधानसभा सदस्य ऐश कालरा ने कहा कि कैलिफोर्निया में भारतीय अमेरिकी समुदाय की सबसे बड़ी आबादी रहती है, और दिवाली को राजकीय अवकाश घोषित करने से लाखों लोगों को अपनी संस्कृति पर गर्व महसूस होगा। उन्होंने कहा, दिवाली सद्भावना, शांति और नवीनीकरण का त्योहार है, जो समुदायों को एक साथ जोड़ता है। कैलिफोर्निया को इस विविधता को स्वीकार करना चाहिए, न कि इसे अंधेरे में छिपाना चाहिए।

लोकशक्ति
www.lokshakti.in

दमउदहरा का प्रमुख आकर्षण इसका सुंदर जलप्रपात है, जो ऊँची पहाड़ियों से झरझर गिरते हुए नीचे बहता

दमउदहराः प्रकृति, आस्था और इतिहास का अद्भुत संगम

रायपुर। छत्तीसगढ़ के सक्ती जिले में सक्ती-कोरबा मार्ग पर, सक्ती से लगभग 20 किलोमीटर दूर स्थित दमउदहरा (दमाऊधारा) न केवल प्राकृतिक सौंदर्य का अनुपम स्थल है, बल्कि यह धार्मिक, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान रखता है। यहाँ तक सड़क मार्ग से निजी वाहन या टैक्सी द्वारा आसानी से पहुँचा जा सकता है। निकटतम रेलवे स्टेशन सक्ति, जबकि निकटतम हवाई अड्डा रायपुर है।

दमउदहरा का प्रमुख आकर्षण इसका सुंदर जलप्रपात है, जो ऊँची पहाड़ियों से झरझर गिरते हुए नीचे बहता है। बरसात के मौसम में यह झरना अपने पूरे सौंदर्य पर होता है। चारों ओर फैली हरियाली, झरने की गूंजती ध्वनि और शीतल वातावरण पर्यटकों को मोह लेता है। आसपास के घने जंगल, प्राकृतिक गुफाएँ और ऊँची पहाड़ियाँ इस स्थल को रोमांच और फोटोग्राफी प्रेमियों के लिए स्वर्ग समान बना देती हैं।

धार्मिक दृष्टि से दमउदहरा अत्यंत पूजनीय है। यहाँ राम-जानकी मंदिर, राधा-कृष्ण मंदिर, ऋषभदेव जैन तीर्थंकर का मंदिर, हनुमान मंदिर, भगवान शिव-पार्वती मंदिर और विष्णु-लक्ष्मी मंदिर जैसे कई पवित्र स्थल स्थित हैं। स्थानीय मान्यताओं के अनुसार, भगवान श्रीराम अपने वनवास काल में दमउदहरा (गूंजी क्षेत्र) पधारे थे। कहा जाता है कि उन्होंने यहाँ विश्राम और पूजा-अर्चना की थी, जिससे यह क्षेत्र ऋषभ तीर्थ के नाम से प्रसिद्ध हुआ।

इतिहासकार लोचन प्रसाद पांडेय द्वारा खोजे गए 'गूंजी शिलालेख' का उल्लेख भी इस स्थल के महत्व को और बढ़ाता है। इस शिलालेख में उस समय की धार्मिक गतिविधियों, सामाजिक संरचना और स्थानीय शासन व्यवस्था का विवरण मिलता है, जो दमउदहरा क्षेत्र की प्राचीनता और समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा का प्रमाण है।

हर वर्ष जनवरी महीने में यहाँ भव्य मेला आयोजित होता है, जिसमें दूर-दूर से श्रद्धालु और पर्यटक शामिल होते हैं। विशेष रूप से सूर्य ग्रहण के अवसर पर यहाँ स्नान और पूजा-अर्चना का आयोजन किया जाता है। इस समय घाटी में साधु-संतों का संगम होता है। एक रोचक दृश्य यह भी देखा जाता है कि सूर्य ग्रहण समाप्त होते ही जंगली बंदर घाटी में उतर आते हैं, जो यहाँ की अनूठी प्राकृतिक घटना बन चुकी है।दमउदहरा पिकनिक और पारिवारिक भ्रमण के लिए भी लोकप्रिय है। लोग यहाँ झरने के पास बैठकर, हरियाली के बीच विश्राम और मनोरंजन का आनंद लेते हैं। मानसून के दौरान झरने में स्नान का अनुभव अविस्मरणीय होता है।

प्रकृति, आस्था, इतिहास और रोमांच का यह संगम दमउदहरा को छत्तीसगढ़ का एक विशिष्ट पर्यटन स्थल बनाता है। यह न केवल श्रद्धालुओं और पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र है, बल्कि स्थानीय संस्कृति, परंपरा और अर्थव्यवस्था के विकास में भी इसकी अहम भूमिका है। यहाँ की आध्यात्मिक शांति और प्राकृतिक सौंदर्य हर आगंतुक को एक गहरे, आत्मिक अनुभव से भर देता है।

हमारी सरकार का लक्ष्य छत्तीसगढ़ विकास के हर क्षेत्र में अग्रणी बने

रायगढ़ । उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव एवं वित्त मंत्री श्री ओ.पी.चौधरी ने आज नगर निगम ऑडिटोरियम, रायगढ़ में आयोजित कार्यक्रम में 70.54 करोड़ रुपए के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। उन्होंने नगर निगम रायगढ़ अंतर्गत 43.58 करोड़ रुपये की लागत के 7 कार्यों का शिलान्यास तथा 70 लाख रुपये की लागत के दो विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। साथ ही लोक निर्माण सेतु विभाग अंतर्गत 17 करोड़ 80 लाख रुपये की लागत के 3 विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। वहीं लोक निर्माण रायगढ़ संभाग अंतर्गत 4 करोड़ 21 लाख रुपये की लागत के 3 विकास कार्यों का भूमिपूजन और 4 करोड़ 24 लाख रुपये की लागत के 2 विकास कार्यों लोकार्पण किया गया। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने रायगढ़ शहर के अन्य महत्वपूर्ण विकास कार्यों के लिए 06 करोड़ रुपए से अधिक की राशि की घोषणा भी की और नगरवासियों को बधाई दी। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2.0 के तहत हितग्राहियों को स्वीकृति पत्र प्रदान किया। इसके साथ ही दो हितग्राहियों को आवास पूर्ण होने पर प्रतीकात्मक चॉबी प्रदान कर बधाई दी। दो स्वच्छता दीदियों को पी पी ई किट प्रदान किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कहा कि हमारी सरकार 'हमने बनाया है, हम ही संवारेंगे' के संकल्प के साथ निरंतर कार्य कर रही है। सरकार बनते ही सबसे पहले 18 लाख गरीब परिवारों को पक्के आवास की स्वीकृति दी गई है। महिलाओं के सम्मान और सशक्तिकरण के लिए महतारी वंदन योजना संचालित की जा रही है।

विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवा महिलाओं को पी.एम. जनमन योजना का मिल रहा लाभ

महिलाओं को मिला स्वरोजगार का अवसर

महिलाओं को मिला स्वरोजगार का अवसर

रायपुर। राज्य सरकार स्व-सहायता समूह की महिलाओं को स्वरोजगार से जोडकर आत्मनिर्भर बनाने सतत प्रयासरत है। विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी पहाड़ी कोरवा जनजाति की महिलाएं स्व सहायता समूह से जुड़कर पी.एम. जनमन योजना के तहत आत्मनिर्भर बन रही है। महिलाएं माहुल पत्ते को मशीनों की सहायता से दोना-पत्तल का निर्माण कर रही हैं जो पर्यावरण के अनुकूल है। यह पहल न केवल उनके लिए सतत् आजीविका का साधन बन रही है, बल्कि उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम है। जशपुर वनमण्डल के परिक्षेत्र बगीचा अंतर्गत ग्राम कुटमा में पी.एम. जनमन योजना के तहत विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी पहाड़ी कोरवा जनजाति की महिलाएं स्व-सहायता समूह से जुड़कर आत्मनिर्भर बन रही हैं। महिलाओं के लिए दोना-पत्तल निर्माण केन्द्र की स्थापना की गई है। इस केन्द्र का संचालन मीनू लक्ष्मी स्व-सहायता समूह द्वारा किया जा रहा है, जिसकी अध्यक्षता श्रीमती फूलों बाई कर रही हैं। इस केन्द्र में समूह की महिलाएं माहुल पत्तों से मशीनों की सहायता से पर्यावरण अनुकूल दोना-पत्तल का निर्माण कर रही हैं। यह पहल न केवल उनके लिए सतत् आजीविका का साधन बनती जा रही है, बल्कि उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो रही है। वन विभाग द्वारा विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवा महिलाओं को स्वरोजगार की मुख्यधारा से जोड़ने हेतु निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इस योजना से महिलाओं की सामाजिक और आर्थिक स्थिति में उल्लेखनीय सुधार हो रहा है।

नए जिला पंचायत सीईओ अभिजीत बबन पठारे ने किया पदभार ग्रहण

रायगढ़ । रायगढ़ जिले के नए जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अभिजीत बबन पठारे ने कार्यालय पहुंचकर पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर जिला पंचायत के अधिकारियों और कर्मचारियों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका आत्मीय स्वागत किया। बता दें कि श्री अभिजीत बबन पठारे भारतीय प्रशासनिक सेवा के 2022 बैच के अधिकारी हैं। पदभार ग्रहण करने से पूर्व वे दुर्ग जिले में सहायक कलेक्टर के रूप में पदस्थ थे।कार्यभार ग्रहण करने के पश्चात श्री पठारे ने जिला पंचायत के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों से परिचय प्राप्त किया और उन्हें समर्पण, पारदर्शिता एवं टीम भावना के साथ जिले के सर्वांगीण विकास के लिए कार्य करने प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर प्रभावी ढंग से लागू करना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी, जिससे विकास के लाभ समाज के अंतिम छोर तक पहुँच सकें।

जिले में 1370 मि.मी.औसत वर्षा दर्ज

रायगढ़, 07 अक्टूबर (आरएनएस)। चालू वर्षा मौसम में रायगढ़ जिले में 6 अक्टूबर तक 1370 मि.मी.औसत वर्षा दर्ज की गई है। बीते 24 घंटे में जिले में 4.7 मिली मीटर औसत वर्षा हुई है। भू-अभिलेख शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार अब तक जिले के रायगढ़ तहसील में 1600.6 मिली मीटर, पुसौर में 1519.2, खरसिया में 1273.8, घरघोड़ा में 1342, तमनार में 1101.8, लैलूंगा में 1153.7, मुकडेगा में 1554.4, धरमजयगढ़ में 1066.3, छाल में 1328.4 एवं कापू में 1760.1 मिली मीटर वर्षा दर्ज की गई है।

नगर पंचायत पुसौर में हुआ 15 करोड़ रुपये से अधिक विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास

रायगढ़ । बरसात के बीच भी नगर पंचायत पुसौर में आज विकास के प्रति नागरिकों का उत्साह देखते ही बन रहा था। यह अवसर था 15 करोड़ 31 लाख रुपये की लागत के विभिन्न विकास कार्यों के लोकार्पण एवं शिलान्यास का। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव एवं वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने नगर पंचायत पुसौर के बाजार चौक में 19.78 लाख रुपये की लागत से अटल परिसर निर्माण व भारत रत्न एवं पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी की आदमकद प्रतिमा का अनावरण किया तथा राष्ट्र निर्माण में उनके अमूल्य योगदान को नमन किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने कहा कि पुसौर नगर पंचायत में विकास कार्य तेजी से प्रगति पर हैं। आज के कार्यक्रम में 14 करोड़ 3 लाख रुपये के विकास कार्यों का शिलान्यास एवं 1 करोड़ 27 लाख रुपये के कार्यों का लोकार्पण किया गया है। उन्होंने बताया कि बीते 20 महीनों में पुसौर नगर पंचायत को विभिन्न विकास कार्यों के लिए 18 करोड़ रुपए से अधिक की राशि स्वीकृति प्रदान की गई है। यह सरकार जनता की सरकार है, जो नागरिकों की आवश्यकताओं को समझते हुए स्वयं पहल कर रही है। पुसौर को स्वच्छ, सुंदर और सुविधापूर्ण नगर बनाने के लिए हरसंभव सहयोग प्रदान किया जाएगा। उप मुख्यमंत्री ने पुसौर की जनता से स्वच्छता अभियान में देश में प्रथम स्थान प्राप्त करने का संकल्प लेने का आह्वान किया। साथ ही नगर के सर्वांगीण विकास हेतु अतिरिक्त 2 करोड़ रुपये की घोषणा की।

वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी ने कहा कि राज्य सरकार अपने वादों को धरातल पर उतारते हुए हर क्षेत्र में विकास की नई गाथा लिख रही है। उन्होंने बताया कि किसानों को दो वर्ष का बोनस, 21 क्विंटल प्रति एकड़ धान खरीदी एवं 18 लाख प्रधानमंत्री आवासों की स्वीकृति राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार अधोसंरचना, सड़कों, पुल-पुलियाओं, नगरीय सुविधाओं एवं वार्ड स्तर के कार्यों को प्राथमिकता दे रही है। किसी भी कार्य में गुणवत्ता से समझौता नहीं किया जाएगा।

फार्म मशीनरी बैंक से हो रही खेती-किसानी में सहूलियत-वीरेन्द्र बघेल को बैंक ऋण की अदायगी के बाद आय में निरंतर हो रही है वृद्धि

रायपुर। हायर सेकंडरी तक शिक्षित 42 वर्षीय वीरेन्द्र के पास खेती का रकबा 3 एकड़ है, जिसमें पहले परंपरागत तकनीक से कृषि कार्य करते हुए मात्र दो लाख रुपए का आय प्रतिवर्ष अर्जित करते थे। परंपरागत तकनीक से कृषि कार्य करने से उत्पादन लागत अधिक एवं मुनाफा कम होता था एवं कृषि कार्य भी समय पर संपादित नहीं होता था। फार्म मशीनरी बैंक द्वारा विगत 13 महीने में मशीनों के किराए से करीब 10 लाख रुपए आय प्राप्त किए, जिसमें डीजल एवं मरम्मत पर लगभग 04 लाख रुपए का व्यय हुआ और एवं करीब 06 लाख रुपए का शुद्ध लाभ प्राप्त हुआ, जिससे ढाई लाख रुपए से ज्यादा बैंक ऋण अदा किया गया है। वीरेन्द्र कहते हैं कि फार्म मशीनरी बैंक के माध्यम से आमदनी होने के फलस्वरूप अब घर-परिवार में खुशहाली आयी है।

कोण्डागांव जिले के बकावण्ड तहसील अंतर्गत कचनार निवासी वीरेन्द्र बघेल शासन की योजना से लाभान्वित होकर कृषि यंत्र सेवा केन्द्र के जरिये क्षेत्र के किसानों को कृषि कार्य के लिए किराए पर कृषि उपकरण सुलभ करवाकर जहां आमदनी अर्जित कर रहे हैं, वहीं स्वयं की कृषि भूमि में उपकरणों के द्वारा उन्हें खेती-किसानी में सहूलियत हो रही है। वीरेन्द्र ने बताया कि गत वर्ष कृषि अभियांत्रिकी कृषि विभाग के संपर्क में आकर कृषि यांत्रिकीकरण सबमिशन अंतर्गत फार्म मशीनरी बैंक कम्पोनेंट-04 के तहत कृषि यंत्र सेवा केन्द्र की स्थापना किया। जिसमें 02 नग ट्रेक्टर, 01 नग कल्टीवेटर, 01 नग थ्रेसर, 01 नग रिपर, 01 नग रोटावेटर, 01 नग सीड ड्रिल एवं 01 नग स्प्रेयर का क्रय बैंक ऋण के माध्यम से किया गया, जिसकी कुल लागत 25 लाख 17 हजार रुपए है, जिसमें राज्य शासन द्वारा 10 लाख रुपए का अनुदान प्रदान किया गया।

वीरेन्द्र बघेल ने बताया कि फार्म मशीनरी बैंक के माध्यम से उन्नत तकनीक से खेती कर अधिक मुनाफा प्राप्त कर रहे हैं। वहीं क्षेत्र के कुदालगांव कचनार, बोरपदर, मेटावाड़ा, भिरलीगा, चोलनार आदि ग्रामों में लगभग 365 से अधिक किसानों द्वारा कृषि यंत्र किराये से प्राप्त कर उन्नत तकनीक से कृषि कार्य कर रहे हैं। इन किसानों का खरीफ एवं रबी फसल हेतु खेत की तैयारी समय पर उन्नत कृषि यंत्र से संपादित हो रहा है। वीरेन्द्र बघेल अपने इलाके के लघु-सीमांत कृषकों को आसानी से किराए पर उन्नत कृषि यंत्र उपलब्ध करवाने सहित आमदनी में इजाफा करने की समझाइश वीरेन्द्र को दी।

राष्ट्रीय सम्मेलन के सुझाव पर क्रियान्वयन करेगी राज्य सरकार - कृषि मंत्री नेताम

रायपुर । कृषि विकास एवं किसान कल्याण मंत्री रामविचार नेताम के मुख्य आतिथ्य में इंडियन वेटनरी और इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के संयुक्त तत्वाधान में वन हेल्थ सिनर्जी (एक स्वास्थ्य तालमेल) को मज़बूत करना- 'अंतर-क्षेत्रीय नवाचार और एकीकरण के माध्यम से एएमआर (एंटीमाइक्रोबियल प्रतिरोध) का मुकाबला' विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आज शुभारंभ हुआ। दुर्ग के पृथ्वी पैलेस पशुचिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय में आयोजित है। कृषि मंत्री नेताम व अन्य अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस अवसर पर सांसद विजय बघेल, विधायक डोमनलाल कोर्सेवाड़ा एवं ललित चंद्राकर और जिला पंचायत की अध्यक्ष सरस्वती बंजारे उपस्थित थे।

समारोह को संबोधित करते हुए कृषि मंत्री नेताम ने कहा कि यह दो दिवसीय सम्मेलन पशु एवं मानव स्वास्थ्य, पर्यावरण और वन्य जीवों के बीच बहुक्षेत्रीय सहयोग को बढ़ावा देने की हमारी साझा प्रतिबद्धता में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि होगी। जिसका उद्देश्य वन हेल्थ फ्रेमवर्क के अंतर्गत एन्टीमाइक्रोबियल रेसिसटेंस (एएमआर) की बढ़ती चुनौती से प्रभावी ढंग से निराकरण करना है। उन्होंने आयोजकों से कहा कि इस सम्मेलन में दिए गए सुझाव को केन्द्र व राज्य सरकार को अवगत कराएं। ताकि इसका क्रियान्यन सरकार द्वारा और बेहतर ढ़ंग से किया जा सके। उन्होंने कहा कि समय के साथ दवाईयों पर अनुसंधान भी बढ़े है। इनके उपयोग पर मानव आज उलझ रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में उपयोग हेतु बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना आज भी एक चुनौती है।

कृषि मंत्री नेताम ने कहा कि छत्तीसगढ़ प्रदेश में उपलब्ध प्राकृतिक संसाधनों से पशु पालन को बढ़ावा दिया जा सकता है। साथ ही कृषि के मामले में जैविक खेती पर जोर देते हुए कहा कि किसानों को जैविक एवं प्राकृतिक खेती की दिशा में आगे आना चाहिए। उन्होंने किसानों का आह्वान किया कि वे जैविक खेती को अपने जीवन का हिस्सा बनाएं और वैज्ञानिक तकनीको को अपनाकर उत्पादन बढ़ाने का प्रयास करें। कृषि मंत्री नेताम ने कहा कि विकसित भारत के साथ विकसित छत्तीसगढ़ निर्माण के लिए कृषि एवं पशुपालन विभाग के माध्यम से किसानों को हर संभव सहयोग प्रदान किया जाएगा।

स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय, कोंडागांव ने जूडो में लहराया परचम,दुर्ग में आयोजित 25वीं राज्य स्तरीय जूडो प्रतियोगिता

10 स्वर्ण पदक के साथ बस्तर संभाग में रहा अग्रणी

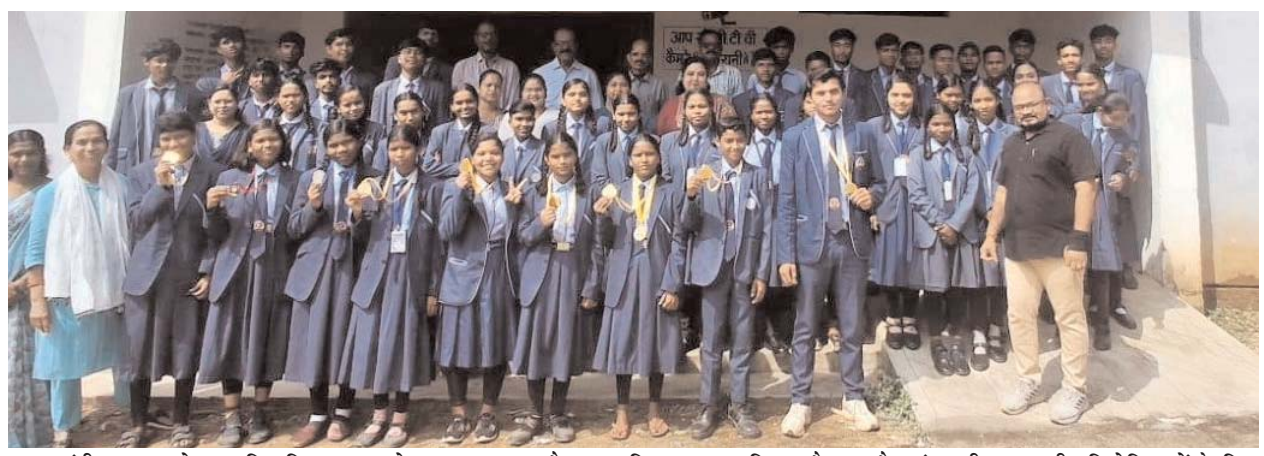

रायपुर। दुर्ग में आयोजित 25वीं राज्य स्तरीय जूडो प्रतियोगिता में स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिंदी माध्यम विद्यालय, कोंडागांव (बस्तर संभाग) के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विद्यालय और जिले का नाम प्रदेश स्तर पर गौरवान्वित किया है। विद्यालय के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता में 10 स्वर्ण, 1 रजत और 1 कांस्य पदक अर्जित कर बस्तर संभाग में शीर्ष स्थान प्राप्त किया है।पूरे बस्तर संभाग को कुल 21 स्वर्ण पदक प्राप्त हुए, जिनमें से अकेले स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय, कोंडागांव के खिलाड़ियों ने 10 स्वर्ण पदक हासिल किए। यह उपलब्धि विद्यालय के खेल प्रशिक्षण और विद्यार्थियों की लगन का प्रमाण है।विद्यालय की अंडर-17 वर्ग की स्वर्ण पदक विजेता हेमबती नाग ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से राष्ट्रीय स्तर पर भी पहचान बनाई है। उन्हें खेल के क्षेत्र में असाधारण योगदान के लिए प्रधानमंत्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया, जो राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू के करकमलों से प्राप्त हुआ। यह उपलब्धि जिले और पूरे बस्तर संभाग के लिए गौरव का क्षण रहा।विद्यालय के प्राचार्य श्री पी.एस. डेनियल ने खिलाड़ियों और प्रशिक्षिका को बधाई देते हुए कहा कि - ÷यह सफलता हमारे विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत, अनुशासन और आत्मविश्वास का परिणाम है। विद्यालय ऐसी प्रतिभाओं को हर संभव सहयोग और प्रोत्साहन देता रहेगा।÷खेल प्रशिक्षिका श्रीमती सुधा तिवारी (पी.टी.आई.) ने बताया कि बच्चों ने लगातार अभ्यास और टीम भावना के बल पर यह उपलब्धि अर्जित की है। उन्होंने कहा कि यह सफलता आने वाले वर्षों में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए प्रेरणास्रोत बनेगी।विद्यालय परिवार ने विजेता खिलाड़ियों का भव्य स्वागत कर सम्मान किया। शिक्षकों, अभिभावकों और विद्यार्थियों ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि यह उपलब्धि न केवल विद्यालय बल्कि संपूर्ण बस्तर संभाग के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

अवैध शराब बेचने वाला पकड़ाया

बिलासपुर । जिले की चौकी बेलगहना थाना कोटा पुलिस ने अवैध रूप से शराब बेचने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है तथा उसके कब्जे से अंग्रेजी एवं देशी शराब जब्त किया है। मामले में आरोपी के खिलाफ धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही की गई है।

मिली जानकारी के अनुसार दिनांक 06.10.2025 को जरिये मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम बेलगहना में हिमांशु गुप्ता अपने घर के बगल मे टिन शेड के निचे जमीन मे छुपाकर अंग्रेजी व देशी शराब बिक्री करने हेतु रखा है टीम गठित कर ग्राम बेलगहना में रेड कार्यवाही करते हुये आरोपी हिमांशु गुप्ता के कब्जे से 29 पाव जम्मू अंग्रेजी शराब, 24 पाव गोवा अंग्रेजी शराब, 24 पाव देशी शराब, 04 पाव वाइट चीफ अंग्रेजी शराब, 07 पाव मूड ऑफ़ अंग्रेजी शराब, कुल 15.840 बल्क लीटर शराब कुल कीमती 10280 रू को जप्त कर आरोपी के विरूद्ध धारा 34(2) आबकारी एक्ट की कार्यवाही करते हुये आरोपी को विधिवत गिरफ्तार क़र न्यायिक रिमाण्ड में भेजा गया।

सूने मकान में चोरी करने वाले तीन नाबालिग गिरफ्तार

बलौदाबाजार । पुलिस ने के.के. वार्ड भाटापारा स्थित एक मकान में चोरी करने वाले 3 नाबालिग बालकों को हिरासत में लिया है तथा उनसे 10,64,400 कीमत मूल्य के सोने-चांदी के जेवरात एवं नगदी रकम 19,372 बरामद किया गया है।

मिली जानकारी के अनुसार दिनांक 04.10.2025 के रात्रि 8.30 बजे से दिनांक 05.10.2025 के प्रातः 6 के मध्य प्रार्थी राजेंद्र कुमार दुबे निवासी के.के.वार्ड भाटापारा के मकान में अज्ञात आरोपियों द्वारा दीवाल फांदकर, घर के चैनल गेट एवं दरवाजा में लगे ताला को तोड़कर, घर के कमरा अंदर दीवान में गद्दे के नीचे रखे अलमारी के चाबी से अलमारी को खोलते हुए उसमें लगे लाकर को तोड़ दिया गया तथा अंदर रखे सोने चांदी के जेवरात व नगदी रकम 1,50,000 को चोरी कर लिया गया। रिपोर्ट पर थाना भाटापारा शहर में धारा 305(क),331(2) बीएनएस का प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। प्रकरण में भाटापारा शहर पुलिस द्वारा जांच एवं विवेचना कार्यवाही प्रारंभ किया गया।

मुख्यमंत्री शिक्षा गुणवत्ता अभियान के तहत रायगढ जिले के सभी 2271 शालाओं में चलेगा सामाजिक अंकेक्षण

मुख्यमंत्री शिक्षा गुणवत्ता अभियान के तहत रायगढ जिले के सभी 2271 शालाओं में चलेगा सामाजिक अंकेक्षण

नोडल एवं दल के सदस्य करेंगे 08 अक्टूबर तक होगा सामाजिक अंकेक्षण

रायपुर । नोडल एवं दल के सदस्य करेंगे 08 अक्टूबर तक होगा सामाजिक अंकेक्षणछत्तीसगढ़ शासन स्कूल शिक्षा विभाग के द्वारा मुख्यमंत्री शिक्षा गुणवत्ता अभियान की अंतर्गत राज्य के सभी शासकीय प्राथमिक, माध्यमिक, हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी स्कूलों में सामाजिक अंकेक्षण आयोजित करने के निर्देश जारी किए गए हैं। राज्य शासन के निर्देश के अनुरूप रायगढ़ जिले के सभी 07 विकासखण्डों के 1428 प्राथमिक शालाएं, 638 पूर्व माध्यमिक शालाएं, 80 हाई स्कूल एवं 125 हायर सेकेंडरी स्कूल इस तरह रायगढ़ जिले के 2271 शासकीय स्कूलों का सामाजिक अंकेक्षण किया जाएगा। सामाजिक अंकेक्षण 08 अक्टूबर तक होगा।

प्रत्येक स्कूल के लिए गठित है अंकेक्षण दल : सभी स्तर के स्कूलों के लिए अलग-अलग अंकेक्षण दल गठित किए गए हैं, जिसमें अंकेक्षण दल के नोडल अधिकारी उसे स्कूल के अतिरिक्त अन्य स्कूलों के शिक्षक, व्याख्याता या प्राचार्य शामिल है। उनके साथ स्थानीय स्तर के एसएमसी सदस्य, शिक्षक, शिक्षाविद, जनप्रतिनिधियों को शामिल किया है। जो स्कूलों में सामाजिक अंकेक्षण का कार्य करेंगे। सामाजिक अंकेक्षण करने की सूचना राज्य के निर्देश के अनुरूप संबंधित ग्राम में आयोजित ग्राम सभा में सामान्य जन को उपलब्ध कराई गई है और उन्हें आमंत्रित किया गया है।

20 प्रश्नों पर होगा सामाजिक अंकेक्षण कार्य

राज्य के निर्देशों के अनुरूप रायगढ़ जिले में भी 08 अक्टूबर तक स्कूल में उपलब्धता की आधार पर अंकेक्षण दल के द्वारा 20 बिंदुओं में सामाजिक अंकेक्षण का कार्य संपन्न किया जा रहा है। सामाजिक अंकेक्षण कार्य पूरा होने के बाद 20 प्रश्नों के रुब्रिक्स की एंट्री ऑनलाइन की जाएगी और इसके आधार पर स्कूलों की ग्रेडिंग कमजोर, औसत और अच्छे स्कूल के रुप में की जायेगी। जो कमजोर स्कूल रहेंगे उनकी गुणवत्ता सुधार के लिए विशेष कदम राज्य शासन की निर्देशानुसार उठाए जाएंगे।

सामाजिक अंकेक्षण के संकेतकों के आधार पर ग्रेडिंग

सामाजिक अंकेक्षण की अंतर्गत प्रत्येक विद्यालय की शैक्षिक गुणवत्ता, शिक्षण प्रक्रिया, विद्यार्थियों की उपलब्धियां, आधारभूत सुविधाएं और शिक्षक उपस्थिति जैसे संकेतकों के आधार पर ग्रेडिंग की जा रही है। यह पारदर्शिता और उत्तरदायित्व की एक नई मिसाल है, जो विद्यालय में अपेक्षित गुणवत्ता तक नहीं पहुंच पा रहा है, उनकी नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाएगी। इस अवसर पर बच्चों के लिए न्यौता भोज का भी आयोजन किया जा रहा है।

सरकार घोषित करे धान खरीदी 1 नवंबर से तथा 3286 रू. के भाव से होगी - दीपक बैज

एग्रीटेक पोर्टल में पंजीयन 1 माह बढ़ाया जाना चाहिए

रायपुर । कांग्रेस ने मांग किया है कि सरकार 1 नवंबर से धान खरीदी की घोषणा करे। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि सरकार की नीयत 15 नवंबर से धान खरीदी करने की है जो कि गलत है धान खरीदी 1 नवंबर से होनी चाहिए। साथ ही यह भी स्पष्ट घोषणा की जानी चाहिए कि 21 क्विंटल प्रति एकड़ के हिसाब से खरीदी होगी। साथ ही धान का कीमत 3100+117+69 कुल 3286 रू. का भुगतान करने का भी घोषणा किया जाए। 2024-25 में किए गए एमएसपी में वृद्धि 117 तथा 2025-26 में किए गए एमएसपी में वृद्धि 69 को जोड़कर कुल 3286 रुपए प्रति क्विंटल होता है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि सरकार अति वर्षा से हुए किसानों के नुकसान का भी आकलन कर उसकी क्षतिपूर्ति मुआवजे की घोषणा भी तत्काल करे, ताकि वर्षा के कारण हुए फसल नुकसान में कुछ मदद मिल सके। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि धान खरीदी के लिए अनिवार्य किए गए एग्री स्टेक पोर्टल में पंजीयन बंद हो गया। अभी तक पूरे किसानों का पंजीयन नहीं हुआ है, पिछले साल के मुकाबले लाखों किसान पंजीयन से वंचित है। एग्री स्टेक पोर्टल में आने वाली दिक्कतों पोर्टल बंद रहने, डाटा की गड़बड़ियों खसरा खतौनी में मिलान नहीं होने से बहुत से किसानों का पंजीयन नहीं हो पाया है। कांग्रेस पार्टी मांग करती है कि पोर्टल में पंजीयन की तिथि और बढ़ाई जाए। जिनका पंजीयन पोर्टल से नहीं हो रहा उनका पंजीयन सोसायटियों में करने की वैकल्पिक व्यवस्था की जाए। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि जिन किसानों ने धान बेचने के लिए एग्री स्टेक पोर्टल में पंजीयन करवा लिया है सरकार ने उनके लिए नया नियम बना दिया कि उन्हें अब सोसायटियों में रकबा सत्यापन कराना होगा। गिरदावरी डिजिटल क्राप सर्वे के बाद भी रकबा सत्यापन करने किसानों को परेशान करने के लिए अनिवार्य किया गया है। सरकार को किसानों पर भरोसा नहीं है किसान झूठ बोलकर धान बेचेंगे क्या? सरकार किसानों का पूरा धान खरीदना नहीं चाहती ।

सफलता की कहानी : लोको पायलट से सौर ऊर्जा के रोल मॉडल बने सुकलाल सूर्यवंशी

प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना ने न केवल घरों को रोशन किया है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और आर्थिक बचत को नई दिशा दी है।

रायपुर ।

प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना आज देश में ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में एक जनआंदोलन का रूप ले चुकी है। यह योजना न केवल बिजली उपलब्ध कराने की पहल है, बल्कि ऊर्जा क्रांति का प्रतीक है, जिसने आम नागरिकों के जीवन में वास्तविक बदलाव लाया है। छत्तीसगढ़ इस दिशा में अग्रणी राज्य के रूप में उभरा है। राज्य सरकार ने पात्र परिवारों को आवेदन से लेकर इंस्टॉलेशन तक हर चरण में सहयोग प्रदान किया है। सब्सिडी की राशि सीधे लाभार्थियों के बैंक खाते में अंतरित की जा रही है, जिससे पारदर्शिता और विश्वास सुनिश्चित हुआ है। साथ ही, डिजिटल पोर्टल और जनसहयोग केंद्रों के माध्यम से नागरिकों को समयबद्ध सहायता दी जा रही है। कोरबा जिले के खरमोरा निवासी श्री सुकलाल सूर्यवंशी इस योजना की सफलता का उदाहरण हैं। भारतीय रेल में लोको पायलट के रूप में कार्यरत श्री सूर्यवंशी ने टीवी विज्ञापन के माध्यम से योजना की जानकारी प्राप्त कर इसे अपनाने का निर्णय लिया। योजना के तहत उन्हें 78,000 रूपए की केंद्रीय सब्सिडी प्राप्त हुई, जिससे उन्होंने अपने घर की छत पर 3 किलोवाट क्षमता का सोलर पैनल स्थापित कराया। आज उनका घर पूरी तरह सौर ऊर्जा पर निर्भर है। श्री सूर्यवंशी का कहना है कि अब मेरे घर की छत ही मेरी ऊर्जा का स्रोत बन गई है। यह स्वच्छ ऊर्जा आत्मनिर्भरता और गर्व का प्रतीक है। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी दूरदर्शी नीतियों के कारण आज आम नागरिक सशक्त हो रहे हैं। प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना ने न केवल घरों को रोशन किया है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और आर्थिक बचत को नई दिशा दी है।

रायपुर में आईसीएआर-एनआईबीएसएम ने मनाया 14वाँ स्थापना दिवस

,संवाददाता - आईसीएआरङ्कनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ बायोटिक स्ट्रेस मैनेजमेंट (आईसीएआरङ्कएनआईबीएसएम), रायपुर ने अपना 14वाँ स्थापना दिवस मंगलवार, 7 अक्टूबर 2025 को अपने परिसर में उत्साहपूर्वक मनाया। इस अवसर पर वैज्ञानिकों, विशिष्ट अतिथियों, किसानों, छात्रों और विभिन्न हितधारकों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता आईसीएआर-एनआईबीएसएम के निदेशक डॉ. पी. के. राय ने की। मुख्य अतिथि, डॉ. मंगला राय, पूर्व सचिव (डेयर) एवं महानिदेशक, आईसीएआर ने स्थापना दिवस व्याख्यान प्रस्तुत किया। विशिष्ट अतिथियों में डॉ. टी. पी. राजेन्द्रन, पूर्व एडीजी (पीपी एंड बी), आईसीएआर एवं पूर्व ओएसडी, आईसीएआरङ्कएनआईबीएसएम; डॉ. जे. कुमार, पूर्व संयुक्त निदेशक, आईसीएआरङ्कएनआईबीएसएम; प्रो. (डॉ.) पीयूष कांत पांडे, कुलपति, एमिटी यूनिवर्सिटी, रायपुर तथा डॉ. अनिल दीक्षित, संयुक्त निदेशक, आईसीएआर-एनआईबीएसएम शामिल रहे, जिन्होंने उद्घाटन सत्र की शोभा बढ़ाई।

कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों के आगमन, वृक्षारोपण अभियान और परिसर भ्रमण से हुई, जिसके बाद संकाय एवं छात्रों के साथ संवाद आयोजित किया गया। उद्घाटन सत्र में डॉ. पी. के. राय ने संस्थान की प्रगति एवं उपलब्धियों का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया। गणमान्य अतिथियों ने अपने संबोधन में बायोटिक स्ट्रेस अनुसंधान एवं प्रबंधन में आईसीएआरङ्कएनआईबीएसएम के योगदान की सराहना की। अपने स्थापना दिवस व्याख्यान में डॉ. मंगला राय ने संस्थान के विशिष्ट दायित्व और उज्ज्वल भविष्य पर प्रकाश डाला। उन्होंने कीटों एवं कीटङ्ककीटाणुओं की आनुवंशिक विविधता पर शोध के महत्व को रेखांकित किया, जो कृषि विज्ञान का एक उभरता हुआ क्षेत्र है। उन्होंने संस्थान के निदेशक एवं वैज्ञानिकों को उनके समर्पित प्रयासों के लिए बधाई दी, जो विशेष रूप से बायोटिक स्ट्रेस प्रबंधन पर केंद्रित हैं। कार्यक्रम की प्रमुख झलकियों में प्रकाशनों का विमोचन, नवोन्मेषी किसानों, वैज्ञानिकों और छात्रों को पुरस्कृत करना तथा किसानों एवं वैज्ञानिकों के बीच स्ट्रेस प्रबंधन प्रौद्योगिकियों पर संवाद सत्र शामिल था। संवाद के बाद सटीक कृषि में आधुनिक उपयोग दर्शाने हेतु ड्रोन प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम का समापन छात्रों एवं कर्मचारियों द्वारा प्रस्तुत रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम से हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि एवं गणमान्य अतिथियों द्वारा निम्नलिखित प्रकाशनों का विमोचन किया गया: पुस्तक: एंटिमाइक्रोबियल रेसिस्टेंस लेखक: ममता चौधरी, बिनोद कुमार चौधरी, प्रमोद कुमार राय, पंकज शर्मा और सुखदेव बी. बारबुध्दे **पुस्तक: एटलस ऑफ इनवेसिव प्लांट पैथोजेन्स** लेखक: ए. अमरेंद्र रेड्डी, कृति अर्पणा मिन्ज, वैभव लक्ष्मी तिवारी और पी. के. राय तकनीकी बुलेटिन: नेशनल स्टेटस ऑफ जेनेटिक ग्रुप्स ऑफ बेमिसिया टबैसी इन इंडिया लेखक: जे. श्रीधर, पी. एन. सिवलिंगम, आर. के. मुरली भास्करण, पी. के. घोष, पी. कौशल और अनिल दीक्षित नीति पत्र: एन्हांसिंग एग्रीकल्चरल प्रोडक्टिविटी अमंग स्मॉलहोल्डर फार्मर्स इन इंडिया थ्रू एग्रीकल्चरल ड्रोन सर्विसेज लेखक: पी. मूवेंथन, हेम प्रकाश, सुमन सिंह, उत्तम सिंह, के. सी. शर्मा, प्रियंका मीना, एन. शिवरामण, एस. सेंथिल विनायकम, गोपाल लाल, ए. अमरेंद्र रेड्डी और पी. के. राय

नीति पत्र: क्लाइमेट चेंज इफेक्ट्स ऑन इंसेक्ट पेस्ट्स एंड लॉसेस इन इंडिया लेखक: प्रियंका मीना, कृति अर्पणा, के. सी. शर्मा, पी. मूवेंथन, एन. शिवरामण, एस. सेंथिल विनायकम, ए. अमरेंद्र रेड्डी, गोपाल लाल और पी. के. राय स्थापना दिवस ने संस्थान की उपलब्धियों पर विचार करने, प्रगतिशील अनुसंधान गतिविधियों की समीक्षा करने और भविष्य की दृष्टि प्रस्तुत करने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान किया, जिससे देश में बायोटिक स्ट्रेस प्रबंधन को और अधिक सशक्त एवं टिकाऊ कृषि हेतु मजबूती मिलेगी। कार्यक्रम का समापन वैज्ञानिकों, कर्मचारियों, छात्रों, किसानों एवं आमंत्रित अतिथियों की सक्रिय सहभागिता के साथ सफलतापूर्वक हुआ। सायंकालीन सांस्कृतिक कार्यक्रम में एनआईबीएसएम के छात्रों ने भी बढ़ङ्कचढ़कर भाग लिया।

कैम्ब्रिज में अलौकिक शक्तियों पर अध्ययन करेंगे पं. धीरेंद्र शास्त्री

रायपुर । छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में इन दिनों बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की कथा का आयोजन जोर-शोर से चल रहा है। हजारों की संख्या में श्रद्धालु उनकी कथा सुनने पहुंच रहे हैं। अपनी ओजस्वी वाणी और चमत्कारिक शक्तियों के लिए प्रसिद्ध पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने कथा के दौरान एक बड़ा ऐलान किया है। मीडिया से मुलाकात में उन्होंने कहा कि वे जल्द ही विश्व प्रसिद्ध कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी में अलौकिक शक्तियों पर अध्ययन करने जाएंगे। पंडित शास्त्री ने कहा, आज के समय में मान्यता तभी मिलती है, जब किसी विषय का अध्ययन विदेशों में किया जाए। इसलिए, मैं कैम्ब्रिज जाकर अलौकिक शक्तियों और आध्यात्मिक विज्ञान पर शोध करूंगा। उन्होंने यह भी घोषणा की कि इस अध्ययन के बाद वे विदेशों में भी अपने दरबार का आयोजन करेंगे, ताकि भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिकता का वैश्विक स्तर पर प्रचार-प्रसार हो सके।

पशुपालन और डेयरी उद्योग से आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को आगे बढ़ाएंगे : मंत्री

ई-लिस मोबाईल एप्प पर होगी पशुधन की गणना

पशुपालन मंत्री ने दो दिवसीय प्रशिक्षण कॉन्फ्रेंस का किया शुभारंभ

छत्तीसगढ़ में वर्ष 2047 में दूध उत्पादन 12209 हजार टन और अण्डा उत्पादन 112351 लाख होने का अनुमान

रायपुर। पशुधन विकास मंत्री मंत्री श्री रामविचार नेताम ने कहा कि पशुपालन और डेयरी उद्योग के जरिए हम आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को आगे बढ़ाएंगे। उन्होंने कहा कि पशुपालन ग्रामीण अर्थव्यवस्था में आज भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। विश्व के सबसे बड़े दुग्ध उत्पादक देश के रूप में भारत की पहचान है। यह क्षेत्र देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रहा है।

पशुधन विकास मंत्री श्री नेताम आज पशुधन गणना के लिए भारत सरकार इंटीग्रेटेड सिम्पल सर्वे के लिए तैयार किए गए ई-लिस मोबाईल एप्प एण्ड डाटाबेस पर आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण कॉन्फ्रेंस का शुभारंभ समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। राजीव गांधी नेशनल भूमि जल प्रशिक्षण एवं अनुसंसाधन संस्थान में आयोजित इस प्रशिक्षण कॉन्फ्रेंस में उत्तरी जोनल स्तरीय इस राष्ट्रीय प्रशिक्षण कॉन्फ्रेंस में भारत सरकार के पशुपालन, मत्स्य पालन और डेयरी विकास मंत्रालय के अधिकारियों के साथ ही बिहार, ओड़िसा, झारखण्ड, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, अण्डमान एवं निकोबार द्वीप के प्रतिनिधियों तथा पशुधन विकास विभाग के अधिकारी शामिल हुए। पशुपालन मंत्री श्री नेताम ने कहा कि पशुधन क्षेत्र की संभावनाओं का दोहन करने एवं आत्मनिर्भर भारत के विजन को आगे बढ़ाने में छत्तीसगढ़ सरकार ने वर्ष 2047 तक के अनुमानित उत्पादन का आंकलन किया है। वर्तमान में छत्तीसगढ़ राज्य में दूध उत्पादन 2124 हजार टन है एवं वृद्धि दर 8.58 प्रतिशत है। वर्ष 2047 तक राज्य का दूध उत्पादन 12209 हजार टन और अण्डा उत्पादन 2023-24 में 23876 लाख से बढ़कर वर्ष 2047 में उत्पादन 112351 लाख होने का अनुमान है इसी प्रकार मांस उत्पादन जिससे पशुपालकों की आय में वृद्धि होगी। श्री नेताम ने कहा कि आंकड़ों का उपयोग वैश्विक स्तर पर नियोजन, नीति निर्माण, अनुसंधान और शैक्षणिक गतिविधियों में महत्वपूर्ण है जिसमें प्रमुख पशु उत्पादन एवं उत्पादकता को प्राप्त करने के लिए एकीकृत न्यादर्श सर्वेक्षण का कार्य अत्यंत महत्वपूर्ण है। नई दिल्ली से आए सांख्यिकीय सलाहकार एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक श्री जगत हजारिका कहा कि भारत सरकार द्वारा पशुधन की गणना के लिए ई-लिस एप्प के माध्यम से करने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ई-लिस से प्राप्त गणना सटीक व पारदर्शी परिणाम देते है। ये आकड़े अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत की स्थिति को दर्शाते हैं। प्रधान वैज्ञानिक डॉ. प्राची साहू ने भी संबोधित किया। उन्होंने ई-लिस के सभी पहलुओं के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। छत्तीसगढ़ पशुधन विकास विभाग के संचालक श्री चंद्रकांत वर्मा ने प्रशिक्षण कॉन्फ्रेंस के उद्देश्य के संबंध में जानकारी दी।

बाघिन 'बिजली' का होगा जामनगर में इलाज

वन मंत्री श्री केदार कश्यप के निर्देश पर की गई विशेष पहल

वन मंत्री श्री केदार कश्यप के निर्देश पर की गई विशेष पहल

वन मंत्री श्री केदार कश्यप के निर्देश पर की गई विशेष पहल

रायपुर। नंदनवन चिड़ियाघर रायपुर की बाघिन 'बिजली' को बेहतर उपचार के लिए गुजरात के जामनगर स्थित वंतारा (जी.ज़ेड.आर.आर.सी.) भेजा जा रहा है। यह निर्णय वन मंत्री श्री केदार कश्यप के निर्देश पर लिया गया है, ताकि बिजली का बेहतर इलाज हो सके। उल्लेखनीय है कि बाघिन 'बिजली' का जन्म वर्ष 2017 में हुआ था और वह जन्म से ही नंदनवन में रह रही है। वर्ष 2023 में उसने चार शावकों जिसमें तीन नर (पंचमुख, केशरी और मृगराज) और एक मादा (इंद्रावती) को जन्म दिया था। अपनी फुर्ती और शाही अंदाज़ के कारण बिजली पर्यटकों की खास पसंद रही है। अगस्त 2025 में बिजली की तबीयत खराब हुई। उसे दस्त और भूख न लगने की समस्या थी। प्रारंभिक जांच में पाचन संबंधी दिक्कतें सामने आईं, लेकिन सुधार न होने पर आगे की जांच में गुर्दे और गर्भाशय में संक्रमण (पायोमीट्रा) पाया गया। यह बड़ी बिल्लियों में एक गंभीर स्थिति होती है।मुख्य वन संरक्षक श्री अरूण कुमार पांडे ने बताया कि नंदनवन प्रबंधन ने वन मंत्री श्री केदार कश्यप के मार्गदर्शन में जामनगर वंतारा की विशेषज्ञ टीम को रायपुर बुलाया। टीम ने 26 सितंबर से 10 दिनों तक बिजली का इलाज किया, लेकिन आगे उन्नत चिकित्सा की आवश्यकता होने पर उसे जामनगर स्थानांतरित करने का निर्णय लिया गया। उन्होंने बताया कि केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण (CZA) से अनुमति प्राप्त करने के बाद बाघिन श्बिजलीश् को 7 अक्टूबर को ट्रेन के माध्यम से वंतारा भेजा जा रहा है। पूरे सफर के दौरान पशु चिकित्सकों और विशेषज्ञों की टीम उसकी विशेष रूप से देखरेख करेगी।

प्रदेश उपाध्यक्ष रंजना साहू ने भाजपाइयों के साथ किया निर्माणाधीन अटल चौक का निरीक्षण

25वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता: सॉफ्टबॉल में बस्तर एवं दुर्ग संभाग ने जीत का लहराया परचम

0 क्रिकेट, खो-खो और वॉलीबॉल में भी खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

रायगढ़, 07 अक्टूबर (आरएनएस)। रायगढ़ में जारी 25वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता में दूसरे दिन खिलाड़ियों के रोमांचक मुकाबलों ने दर्शकों का उत्साह दोगुना कर दिया। यह प्रतियोगिता 05 से 08 अक्टूबर तक आयोजित की जा रही है, जिसमें छत्तीसगढ़ के पांच संभागों से चयनित खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। सॉफ्टबॉल स्पर्धा के बालक 19 वर्ष वर्ग में दुर्ग संभाग ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं रायपुर संभाग द्वितीय और बिलासपुर संभाग तृतीय स्थान पर रहा। दूसरे दिन क्रिकेट का पहला लीग मैच में दुर्ग और बस्तर संभाग आमने-सामने थे। दुर्ग ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का निर्णय लिया और 80 रन का स्कोर खड़ा किया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी बस्तर की टीम मात्र 23 रन पर सिमट गई। इस प्रकार दुर्ग ने 57 रनों से जीत दर्ज की। दूसरे लीग मैच में सरगुजा और बिलासपुर के बीच मुकाबला हुआ। सरगुजा ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी की और 15 ओवर में 85 रन बनाए। बिलासपुर संभाग लक्ष्य तक नहीं पहुँच सका और 71 रन पर ऑल आउट हो गया। सरगुजा ने यह मैच 15 रनों से जीत लिया।

खो-खो बालक 17 वर्ष लीग मैच अंतर्गत बस्तर बनाम रायपुर में 17-13 से बस्तर विजेता रही। बस्तर बनाम दुर्ग में 25-14 से बस्तर विजेता बनी। रायपुर बनाम सरगुजा में 22-7 से रायपुर विजेता रही। खो-खो बालिका 17 वर्ष के लीग मैच अंतर्गत

लोकशक्ति
www.lokshakti.in

संपादकीय

स्टेबलकॉइन की चुनौती

वित्त मंत्री के बयान को इसी संदर्भ में देखा जाना चाहिए कि बदले हालात में तमाम देश अब स्टेबलकॉइन्स को नजरअंदाज नहीं कर सकते। इसलिए कि स्टेबलकॉइन जैसे आविष्कार मुद्रा एवं पूंजी के प्रवाह का रूप बदल रहे हैं। डॉनल्ड ट्रंप के दौर में क्रिप्टो करेंसी- खासकर स्टेबलकॉइन्स को मिली स्वीकृति तमाम देश के लिए एक चुनौती के रूप में आई है। ट्रंप काल से पहले क्रिप्टो बाजार पूरी तरह निजी क्षेत्र में था। अमेरिकी राष्ट्रपति के रूप में अपने पहले कार्यकाल खुद ट्रंप क्रिप्टो करेंसी को लेकर अस्वीकार का भाव रखते थे। मगर दूसरे कार्यकाल में ना सिर्फ वे और उनके परिजन इस कारोबार में शामिल हुए हैं, बल्कि अमेरिकी मौद्रिक व्यवस्था में भी इसे जगह देने का प्रावधान उन्होंने किया है। स्टेबलकॉइन्स में, और उसके जरिए निवेश का रास्ता उनके प्रशासन ने तैयार किया है।

बदलाव एवं विकास की राह ताकत बिहार चुनाव

ललित गर्ग
लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

बिहार में चुनावी रणभेरी बज चुकी है। मतदान की तिथियों की घोषणा के साथ ही लोकतंत्र का यह महायज्ञ आरंभ हो चुका है, जिसमें करोड़ों मतदाता दो चरणों में दिनांक 6 और 11 नवंबर को अपने मत के माध्यम से राज्य की दिशा और दशा दोनों तय करेंगे। इस बार का चुनाव सिर्फ सत्ता परिवर्तन का नहीं, बल्कि विचार और व्यवस्था परिवर्तन का चुनाव है। बिहार लंबे समय से जिस पिछड़ेपन, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और अराजकता की बेड़ियों में जकड़ा रहा है, उससे मुक्ति का यह अवसर है। 14 नवंबर को मतगणना के साथ बिहार में नई सरकार की तस्वीर सामने होगी, लेकिन राज्य में सियासत जिस तरह आकार ले रही है, मतदान तक कई उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकते हैं। बिहार के राजनीतिक इतिहास पर नजर डालें तो यह धरती कभी बुद्ध की करुणा और चाणक्य की नीति की जननी रही है, लेकिन आज वही बिहार कानून व्यवस्था की विफलताओं, जातिवाद की जंजीरों और विकासहीनता की विवशताओं से जूझ रहा है। सड़कें टूटी हैं, शिक्षा व्यवस्था जर्जर है, चिकित्सा तंत्र कमजोर है, और रोजगार की तलाश में हर साल लाखों युवा अपनी मातृभूमि छोड़ने को विवश हैं। ऐसे में यह चुनाव एक सामाजिक जागृति का अवसर भी है, जब मतदाता केवल चेहरे नहीं, चरित्र और चिंतन को वोट देंगे।

राजनीतिक दल अपनी-अपनी घोषणाओं, वादों और दृष्टि-पत्रों के साथ मैदान में हैं। कोई ÷नया बिहार÷ बनाने का नारा दे रहा है, तो कोई ÷विकसित बिहार÷ का। लेकिन सवाल यह है कि क्या घोषणाओं से बिहार का भाग्य बदलेगा, या फिर यह चुनाव भी परंपरागत नारों और जातीय समीकरणों के हवाले हो जाएगा? यह समय है कि जनता दलों से नहीं, दिशा से जुड़ाव करे; नारे से नहीं, नैतिकता से संवाद करे। पिछले दो दशकों से नीतीश कुमार बिहार का चेहरा बने हुए हैं और यह चुनाव भी अलग होता नहीं दिख रहा। मूल सवाल यही है कि क्या नीतीश को एक और मौका जनता देगी? राज्य में एनडीए ने उन्हें आगे कर रखा है और महागठबंधन से सीधी टक्कर मिल रही है। 2005 से नीतीश कुमार बीच के कुछ समय को छोड़ कर सत्ता पर काबिज हैं। इस दौरान उन्होंने 9 बार शपथ ली और कई बार पाला बदला। गठबंधन के साथी बदलते रहने और कम सीटों के बावजूद मुख्यमंत्री वही बने। इसके पीछे उनकी अपनी 'सुशासन बाबू' की छवि भी है, लेकिन अब इसे चुनौती मिल रही है। पहली बार नीतीश सरकार को भ्रष्टाचार के आरोपों में घेरने की कोशिश हो रही है। वहीं, कानून-व्यवस्था का मामला भी चिंता बढ़ाने वाला है। हाल के महीनों में पटना में व्यवसायी गोपाल खेमका और हॉस्पिटल में घुसकर गैंगस्टर की हत्या ने सरकार की परेशानी बढ़ाई। नीतीश और भाजपा ने लालू-राबड़ी यादव के कार्यकाल को हर चुनाव में जंगलराज की तरह पेश किया, पर अब सवाल विपक्षी दल पूछ रहे हैं। यह चुनाव ऐसे अनेक सवालों के घेरे में हैं।

विकास पर जोर के बावजूद बिहार की राजनीति में जाति एक निर्णायक कारक है। हर पार्टी की चुनावी रणनीति समुदाय आधारित लामबंदी से गहराई से प्रभावित है। दोनों प्रमुख गठबंधन एनडीए ओर महागबंधन सीट बंटवारे की बातचीत में उलझे हैं। 243 विधानसभा सीटों में से गठबंधन में से किस पार्टी को कितनी सीटें मिलेंगी और किसे कोन-सी सीट मिलेगी, यह विवाद का विषय है। पिछले विधानसभा चुनाव में एनडीए और महागठबंधन के बीच सीधा मुकाबला हुआ था- इस बार समीकरण में प्रशांत किशोर की जन सुराज भी है, जो भ्रष्टाचार ओर पलायन का मुद्दा उठाए हुए हैं। कुछ और भी नये राजनीतिक दल मैदान में हैं। बिहार की सबसे बड़ी चुनौती कानून व्यवस्था और प्रशासनिक सुदृढ़ता की है। आए दिन होने वाली अपराध घटनाएं और अराजकता ने राज्य की छवि को धूमिल किया है। एक ऐसा शासन चाहिए जो भयमुक्त समाज दे सके, जहां नागरिक सुरक्षित महसूस करें, जहां अपराध पर अंकुश हो और न्याय त्वरित मिले। विकास तभी संभव है जब विश्वास का माहौल बने।

बिहार की राजनीति में इस बार कई नए दल और कई पुराने चेहरे नए दल के साथ दिखाई देने वाले हैं। प्रशांत किशोर की पार्टी 'जनसुराज', तेजप्रताप यादव की पार्टी जनशक्ति जनता दल, उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी राष्ट्रीय लोक मोर्चा और पशुपति पारस की राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी पहली बार बिहार विधानसभा के चुनाव में नजर आने वाली है। ऐसे में सभी दल चुनावी जंग में ताल ठोकने को तैयार है। मगर देखने वाली बात ये होगी कि कौन सी पार्टी अपना कितना दम दिखा पाती है? क्या प्रशांत किशार की पार्टी उनके दावे के अनुसार प्रदर्शन करती है या फुस्स साबित होती है, वहीं, तेजप्रताप यादव अपनी पार्टी बनाकर तेजस्वी यादव को कितना झटका देते है। यह सब अब चुनाव के परिणाम पर तय होगा। साथ ही यह भी तय होगा कि कौन सी पार्टी अपना अस्तित्व बचा पाती है कौन नहीं? यह चुनाव बिहार की आत्मा को झकझोरने वाला क्षण है। यहां की जनता अब सिर्फ रोटी-कपड़ा-मकान नहीं, बल्कि शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य, और सम्मानजनक जीवन चाहती है। यह चुनाव इस आकांक्षा का प्रतीक है। जो भी दल इस वास्तविकता को समझेगा, वही बिहार का भविष्य गढ़ पाएगा।

आज बिहार के मतदाता अधिक सजग एवं विवेकशील हैं। वे जानते हैं कि सत्ता परिवर्तन से अधिक जरूरी है संस्कृति परिवर्तन, राजनीतिक शुचिता और प्रशासनिक जवाबदेही। यह चुनाव केवल विधानसभा की सीटें तय नहीं करेगा, बल्कि यह तय करेगा कि क्या बिहार अपनी पुरानी परछाइयों से निकलकर प्रकाश की ओर बढ़ पाएगा। क्योंकि बिहार में पिछड़ेपन, भ्रष्टाचार, अराजकता की चर्चा होती रहती है, इसलिये यह स्वाभाविक है कि राज्य का विकास, कानून व्यवस्था एवं रोजगार का मुद्दा भी पक्ष-विपक्ष के बीच एक प्रमुख चुनावी मुद्दा होगा। हालांकि पिछली सरकारों के दौर में बिहार बदहाली के दौर से काफी निकल चुका है और विगत दो दशक में यहां की स्थितियां काफी बदली है। इस बार बिहार चुनाव बदला-बदला होगा, इसकी आहट उन घोषणाओं से भी मिलती है, जो नीतीश सरकार ने की हैं। महिलाओं, दिव्यांगों और बुजुर्गों के लिए पहली बार इस पैमाने पर ऐलान किए गए हैं। वहीं आरजेडी और कांग्रेस ने पूछा है कि इसके लिए पैसा कहां से आएगा? जनता वादों पर भरोसा करती है या बदलाव संग जाती है, जवाब मिलने में ज्यादा वक्त नहीं लगेगा।

वैसे, बिहार चुनाव का इतना ज्यादा महत्व कोई नई बात नहीं है। विगत दो दशक से एक विशेष क्रम बना हुआ है। लोकसभा चुनाव के अगले साल बिहार विधानसभा के चुनाव होते हैं। केंद्र में जो पार्टी विपक्षी गठबंधन में रहती है, वह बिहार विधानसभा चुनाव में अपना पूरा जोर लगा देती है, जिससे चुनाव कुछ ज्यादा रोचक एवं उत्तेजक बन जाता है। सियासी स्थिति का आकलन करें, तो बिहार में लगभग बीस साल शासन के बावजूद जनता दल यूनाइटेड या नीतीश कुमार की ताकत को कोई भी खारिज नहीं कर रहा है। भाजपा पूरी मजबूती से नीतीश कुमार के साथ खड़ी है, ताकि सत्ता बनी रहे। दूसरी ओर, राष्ट्रीय जनता दल के नेतृत्व वाला महागठबंधन अभी नहीं, तो कभी नहीं वाले अंदाज में जोर लगा रहा है। लोकतंत्र की इस परीक्षा में बिहार एक नई इबारत लिख सकता है-एक ऐसा बिहार जो शिक्षित हो, संगठित हो, और सजग हो। जहां राजनीति सेवा का माध्यम बने, संघर्ष का नहीं; जहां सत्ता संवेदना की भाषा बोले, स्वार्थ की नहीं। बिहार का यह जनादेश वास्तव में इतिहास रच सकता है-यदि जनता ÷जाति÷ नहीं, ÷न्याय÷ को चुने; ÷वादा÷ नहीं, ÷विश्वास÷ को चुने। यह चुनाव बिहार के भाग्य परिवर्तन की कुंजी बन सकता है-बशर्ते हम सब मिलकर कहें- ÷अब की बार, सुशासन और सुधार।÷ **यह निजी विचार है।**

शरद पूर्णिमा का पर्व कई अर्थ लिए हुए

अशोक प्रवृद्ध

चंद्रमा की सोलह कलाएं मनुष्य के गुणों की प्रतीक हैं – पूर्ण चंद्रमा का यह दर्शन जीवन की पूर्णता का संकेत है। इसलिए कहा गया है कि योगेश्वर श्रीकृष्ण सभी सोलह कलाओं से सम्पन्न थे। इसी भाव में शरद पूर्णिमा की रात को चंद्रमा के दर्शन और पूजा को आत्मशुद्धि और मानसिक शांति का प्रतीक माना गया है। शरद पूर्णिमा के इस पर्व में आस्था के साथ-साथ एक गहरी जीवन-दृष्टि छिपी है – कि जब मन पूर्ण हो, नीयत शुद्ध हो, और प्रकृति के साथ तालमेल हो, तभी जीवन में अमृत उतरता है। **6 अक्टूबर -शरद पूर्णिमा पर विशेष**

भारतीय परंपरा में हर पर्व केवल आस्था का नहीं, बल्कि जीवन की लय और ऋतु के संतुलन का उत्सव होता है। इन्हीं में से एक है शरद पूर्णिमा – आश्विन मास की शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा, जब चंद्रमा अपनी सोलहों कलाओं से युक्त होकर सबसे उज्ज्वल रूप में धरती पर उतरता है। इसे कोजागरी पूर्णिमा या कौमुदी उत्सव भी कहा जाता है। इस दिन भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की पूजा का विधान है। लोक परंपरा है कि इस रात्रि में चंद्रकिरणें अमृतमयी होती हैं – स्वास्थ्य और सौभाग्य देने वाली। इसी विश्वास से लोग दूध और चावल की खीर बनाकर खुले आकाश तले चंद्रमा की रोशनी में रखते हैं, और अगले दिन उसे प्रसाद रूप में ग्रहण करते हैं।

ज्योतिष के अनुसार चंद्रमा की सोलह कलाएं मनुष्य के गुणों की प्रतीक हैं – पूर्ण चंद्रमा का यह दर्शन जीवन की पूर्णता का संकेत है। इसलिए कहा गया है कि योगेश्वर श्रीकृष्ण सभी सोलह कलाओं से सम्पन्न थे। इसी भाव में शरद पूर्णिमा की रात को चंद्रमा के दर्शन और पूजा को आत्मशुद्धि और मानसिक शांति का प्रतीक माना गया है। नवविवाहिताएं इसी दिन से अपने पूर्णिमा व्रत की शुरुआत करती हैं।

भारत के कई राज्यों में यह पर्व फसल कटाई के उत्सव के रूप में भी मनाया जाता है। वर्षा ऋतु के अंत और शरद के आगमन के साथ यह मौसम नदियों को स्वच्छ और हवा को हल्का बनाता है। मान्यता है कि चंद्रमा की चांदनी अमृत बरसाती है, जो मन में उत्साह और शरीर में स्फूर्ति भरती है। यह दिन वर्ष की बारह पूर्णिमाओं में सबसे विशेष मानी जाती है, क्योंकि इसी दिन चंद्रमा अपने संपूर्ण सौंदर्य में प्रकट होता है।

इस रात की चांदनी का प्रभाव केवल आध्यात्मिक नहीं, बल्कि औषधीय भी माना गया है। चंद्रमा की किरणों से प्रसाद में रखी खीर में औषधीय गुण बढ़ जाते हैं – यह खांसी, जुकाम, जलन और नेत्रों के रोगों में लाभकारी मानी गई है। ज्योतिषीय मान्यता है कि शरद पूर्णिमा की रात चंद्रमा के साथ मंगल आदि ग्रहों का विशेष योग बनता है, जो शुभता और समृद्धि लाता है। इसी कारण इस दिन नए कार्यों, व्रतों और शपथों की शुरुआत को मंगलकारी माना गया है।

पौराणिक ग्रंथों में इस दिन के अनेक उल्लेख हैं। कहा गया है कि समुद्र मंथन के समय माता लक्ष्मी का अवतरण इसी दिन हुआ था। मान्यता है कि शरद पूर्णिमा की रात माता लक्ष्मी पृथ्वी पर भ्रमण करती हैं और जो जागरण कर श्रद्धा से उनकी पूजा करता है, उसके घर में समृद्धि आती है। इसलिए इस रात को को-जाग्रत – यानी ÷कौन जाग रहा है?÷ – का पर्व भी कहा गया है।

वृंदावन और ब्रज में यह रात्रि रास पूर्णिमा के रूप में प्रसिद्ध है। कहा जाता है, इसी रात श्रीकृष्ण ने गोपियों के साथ महारास किया था – चंद्रमा की रोशनी में प्रेम और भक्ति का वह दिव्य नृत्य।

लोककथाओं में एक कथा इस पर्व की शिक्षा को और गहराई देती है। कहा गया है, एक साहुकार की दो पुत्रियों में से बड़ी हर पूर्णिमा का व्रत श्रद्धा और निष्ठा से करती थी, जबकि छोटी केवल औपचारिकता निभाती थी। परिणाम यह हुआ कि बड़ी बहन की संतानें सुखी रहीं, जबकि छोटी की संतानें जीवित न रहीं। पश्चाताप में जब उसने पूरी श्रद्धा से व्रत किया, तो चमत्कार हुआ – मरा हुआ बच्चा जीवित हो उठा। तबसे नगर के लोग इस दिन का व्रत पूर्ण श्रद्धा से करने लगे।

अब रावण नहीं सच जलता है!

शरुति व्यास

समय बहुत शोरगुल से भरा है, ख़ासतौर से धार्मिक अनुष्ठानों-पर्वों से। त्योहार अब केवल उल्लास-उमंग के नहीं रहे, वे अब अपनी पहचान के प्रदर्शन हैं। राष्ट्रवाद ने धर्म को ऐसी दूसरी खाल की तरह पहना है कि दोनों में भेद करना भी कठिन है।

इस संगम को मैंने हाल में कागज़ और रंग में देखा। दिल्ली के तिलक नगर-टिटरपुर की पुतलों (effigy) की मंडी में,जिसे चाहें तो लंका का बाज़ार माने। सड़क किनारे हर आकार के रावण, मेघनाद और कुंभकर्ण खड़े थे–विशालकाय पुतले, गुड्डे जैसे छोटे पुतले, चमकीली आँखों और दाँत दिखाती मुस्कुराहटों वाले चेहरे। गुलाबी, चाँदी और नारंगी की चमकती परतों में वे खेलपूर्ण-मनोरंजक लग रहे थे तो डरावने भी–जैसे सड़क किनारे कोई पौराणिक मेला सज गया हो। पर मेरी नज़र ठहर गई मूँछों पर। गहरी, लंबी मूँछें–कहीं एके-47 के चारों ओर लिपटी हुई, कहीं उन पर लिखा ऑपरेशन सिंदूर कामयाब। सो दशहरा भी राष्ट्रवाद की नई परत ओढ़ चुका है। सिर्फ़ पौराणिक असुर रावण गी नहीं जलता, बल्कि नए दुश्मन और ताज़ा भिडंत के बतौर प्रतीक भी अब जलता है।

इन पुतलों को बनाने वालों को सरकार ने नहीं आदेश दिया था कि वे ये नारे लिखें। पर जब मैंने एक कारीगर से पूछा तो उसने कंधे उचकाते हुए कहा- देश का मूड ऑपरेशन सिंदूर में चल रहा है। और वह ग़लत नहीं था। युद्ध के इस मौसम के बाद देश का मूड सचमुच इसी ऑपरेशन में डूबा है। इसे हमने तब और साफ़ देखा जब सरकार ने एशिया कप में भारतङ्कपाकिस्तान मैच को हरी झंडी दी, लेकिन सड़क का मूड इसके उलट था–बहिष्कार की ओर। नारा वही गूँजता रहा- खून और पानी साथ नहीं बह सकते। अब यह त्योहारों में भी उतर आया है। जब राष्ट्रीय मूड इतना आवेशपूर्ण हो, तो क्यों न रावण को भी उसके साथ रंग दिया जाए? पुतला जलाना अब अच्छाई पर बुराई की जीत नहीं, बल्कि सामूहिक गुस्से को बाहर निकालने का एक लाइसेंस प्राप्त अवसर है।

धर्म हमेशा प्रतीकों की भाषा देता रहा है। पर आज वे प्रतीक जानबूझकर राष्ट्रवाद की पटकथा में लिखे जा रहे हैं। यही चिंता है। यह दुर्घटना नहीं, यह सोची-समझी समाहिति है। और इसमें भय है, खतरा है। क्योंकि जब राजनीति राष्ट्रवाद में घुलती है, तब भी लगाम राज्य के हाथ में रहती है। लेकिन जब राष्ट्रवाद धर्म में घुल जाता है, तो वह अनियंत्रित हो जाता है।

इतिहास गवाह है–भाषा, राष्ट्रवाद और धर्म–ये तीन हमेशा किसी समाज को आकार देने और उकसाने की सबसे मज़बूत शक्तियाँ रही हैं। क्योंकि वे सिर्फ़ नियंत्रण से नहीं, बल्कि हम कौन हैं और हमें मिलकर क्या होना है–इस कहानी को गढ़ती हैं। धर्म अपने श्रेष्ठ रूप में आशा और एकजुटता ला सकता है। लेकिन जैसे ही उसे राष्ट्रवाद की सेवा में झोंक दिया जाता है तो वह भविष्य की ओर संकेत करना छोड़ देता है और समाज को स्थायी वर्तमान में जकड़ देता है–हमेशा सशंकित, आक्रामक, युद्धोन्मुख। हमने यह पैटर्न देखा है–नाज़ी जर्मनी में, जहाँ राष्ट्रवाद नस्ली धर्म बन गया और चर्च सत्ता के औज़ार। ईरान में, जहाँ इस्लामी गणराज्य ने धर्म को राजनीति की अकेली भाषा बना दिया। श्रीलंका में, जहाँ सिंहला-बौद्ध राष्ट्रवाद ने दशकों का रक्तपात कराया। और हमारे पड़ोस पाकिस्तान में, जहाँ राज्य पर सवाल उठाना इस्लाम पर सवाल उठाना है–और नतीजा असहिष्णुता तथा स्थायी दुश्मनी।

तो क्या हम भी अब उसी राह पर बढ़ रहे हैं?

भारत अब अपने पड़ोसी जैसा होता जा रहा है। राम मंदिर का भूमिपूजन राष्ट्रवाद से इस तरह जोड़ा गया कि जिन छतों पर भगवा झंडा नहीं लहराया, वे राष्ट्रविरोधी कहलाए। कोविड के दौरान, दीया न जलाना आस्था का मामला नहीं रहा, बल्कि देशद्रोह बन गया। अब यह पटकथा और गाढ़ी हो गई है। नवरात्रि सिर्फ़ व्रत और पूजन से नहीं आती, बल्कि आदेशों से–कसाईखानों को नौ दिन बंद रखने के आदेश जैसे। बीजेपी शासित राज्यों में बुलडोज़र दैवीय न्याय के औज़ार बन जाते हैं–मुस्लिम घर ढहाए जाते हैं, और बहुसंख्यक भीड़ इसे धर्म और राष्ट्रवाद के एक ही रंगमंच में देखती है।

डिजिटल दुनिया में भी यही स्क्रिप्ट है। सोशल मीडिया पर नवरात्रि की डायरी और देवी के पोस्टों की बाढ़। एक स्तर पर यह सुखद लगता है–यह सबूत कि नई पीढ़ी उतनी अधार्मिक नहीं जितना कहा जाता है, कि आस्था अब भी साँस ले रही है। लेकिन इसके साथ असहजता भी है। क्यों आस्था को आज हैशटैग और सर्टिफिकेट चाहिए? क्यों नौ दिन के व्रत और सजे हुए मंदिरों को हर पोस्ट में दिखाना ज़रूरी है? क्यों हर पोस्ट पर जय श्रीराम की मोहर होनी चाहिए? यह श्रद्धा कम, घोषणा ज़्यादा लगती है। मानो हमें साबित करना हो कि हम भी उतने ही हिंदू हैं, और इसलिए उतने ही भारतीय, जितने प्रधानमंत्री–जो नवरात्रि के व्रत रखते हैं और व्यस्त कार्यक्रम के बीच भी दुर्गापूजा करने का समय निकाल लेते हैं। और अब बारी रावण की।

यह संगम देशभक्ति नहीं, खोखला राष्ट्रवाद है। यह स्वतःस्फूर्त नहीं, मंचित है। त्योहार अब आस्था नहीं, बल्कि वफ़ादारी के प्रमाणपत्र हो गए हैं। संदेश साफ़ है- भारतीय होना हिंदू होना है। जो कोई इस पटकथा से हटता है, वह एंटी-इंडिया है। लेकिन हर धार्मिक क्रिया को राष्ट्रवाद की कसौटी पर क्यों तोला जाए? धर्म एक निजी चुनाव है–वह एकमात्र जगह है जहाँ मनुष्य सचमुच स्वतंत्र हो सकता है। ईश्वर हमें जज नहीं कर रहे, न यह बता रहे कि हमें क्या करना है और क्या नहीं। आस्था का काम है अंतरात्मा को गढ़ना, न कि राज्य को चलाना।

पर आज धर्म विश्वास से अधिक, एक मनुष्य-निर्मित प्रोग्राम बन गया है–जिसका मक़सद है अंतरात्मा की स्क्रिप्ट लिखना। वह कट्टर हो गया है–उग्र, अडिग। आज अगर आप इस स्क्रिप्ट का पालन नहीं करते–चाहे वह नेता लिखें या स्वयंभू बाबा–तो आपको सिर्फ़ ईश्वर विरोधी नहीं, बल्कि भारत विरोधी कह दिया जाता है। महात्मा गांधी ने चेताया था कि जैसे ही धर्म राजनीति में खींचा जाता है, वह नैतिक शक्ति रहना छोड़ देता है और सत्ता का औज़ार बन जाता है। यही असली ख़तरा है।

जो धर्म को हथियार बनाते हैं, वे खुद को राष्ट्र का रक्षक बताते हैं। और जो इस संगम पर सवाल उठाए, उसे ग़द्दार और विधर्मी करार दिया जाता है। देशभक्ति को हालांकि अनुष्ठानों से तौला नहीं जा सकता। फिर भी संदेश बार-बार गूँजता है- भारतीय होने के लिए हिंदू होना ज़रूरी है। यह पटकथा दैवीय नहीं, डिज़ाइन की हुई है। जैसे टिटरपुर का रावण–जिसकी मूँछ पर युद्ध का नारा लिखा है–वैसे ही धर्म भी राष्ट्रवाद से रंगा जा रहा है।

भारत की विडंबना यही है–हमने सिर्फ़ एक पार्टी को सत्ता नहीं दी, बल्कि ऐसे लोगों को ऊँचाई दी है, सिर पर बैठाया है जिन्होंने सार्वजनिक जीवन से वे सभी तत्व निकाल दिए हैं जो हमें बाँधते थे–विचारधारा, विचार, आदर्श, मूल्य, नैतिकता। इसलिए धर्म को भी अब फिर से निजी क्षेत्र में लौटना चाहिए, न कि राष्ट्र का चेहरा बनना चाहिए। क्योंकि आज का रावण पौराणिक असुर की तरह नहीं जलता। वह दुश्मन की तरह जलता है–युद्ध के नारों से सजा हुआ, राष्ट्रवाद के रंगों में रंगा हुआ।

और यही असली विडंबना है- जब रावण को भी फिर से डिज़ाइन किया जाता है, तो हम पौराणिकता नहीं बचा रहे होते, बल्कि गुस्से, संदेह और बहिष्कार के मूड को जला रहे होते हैं। गांधी ने चेताया था–जब धर्म राजनीति की सेवा करने लगे, तो सबसे पहले सच जलता है। **यह निजी विचार है।**

भारत की पहचान भगदड़ भी है!

विनीत नारायण

तमिलनाडु के करूर में अभिनेता-नेता विजय की राजनीतिक रैली में 41 लोगों की मौत हुई। ऐसे हादसों की सूची लंबी है लेकिन यहाँ सवाल उठता है कि एक के बाद एक हादसों से हमने क्या सीखा? क्या ऐसे हादसे कभी कम होंगे? 2024 में उत्तर प्रदेश के हाथरस में भोले बाबा के सत्संग के दौरान हुई भगदड़ में 121 लोगों की मौत हो गई, ज्यादातर महिलाएं और बच्चे थे। यह घटना कार्यक्रम समाप्ति के समय भीड़ के बहाव के कारण हुई, जब लोग बाबा के चरण छूने या उनकी चरण रज लेने के लिए उमड़ पड़े।

भारत, दुनिया की सबसे अधिक आबादी वाला वह देश है जहां धार्मिक उत्सव, राजनीतिक रैलियां और सांस्कृतिक कार्यक्रम राष्ट्रीय शर्म का कारण बनते है। हाल के वर्षों की कई घटनाएं इस बात का प्रमाण हैं कि प्रशासनिक लापरवाही, अपर्याप्त योजना और बुनियादी ढांचे की कमी में कैसे निर्दोष लोगों की जान जाती है। सितंबर 2025 में तमिलनाडु के करूर में अभिनेता-नेता विजय की राजनीतिक रैली में 41 लोगों की मौत हो गई, जब देरी से पहुंचे काफिले को देखने के लिए लोग सड़क पर उमड़ पड़े। भगदड़ के हादसों की सूची बहुत लंबी है लेकिन यहाँ सवाल उठता है कि एक के बाद एक हादसों से हमने क्या सीखा? क्या ऐसे हादसे कभी कम होंगे?

2024 में उत्तर प्रदेश के हाथरस में भोले बाबा के सत्संग के दौरान हुई भगदड़ में 121 लोगों की मौत हो गई, ज्यादातर महिलाएं और बच्चे थे। यह घटना कार्यक्रम समाप्ति के समय भीड़ के बहाव के कारण हुई, जब लोग बाबा के चरण छूने या उनकी चरण रज लेने के लिए उमड़ पड़े। इसी तरह, 2025 में प्रयागराज के महाकुंभ मेला में 'मौनी अमावस्या' के दिन पवित्र नदी में स्नान के दौरान हुई भगदड़ ने 30 लोगों की जान ले ली और 60 से अधिक घायल हो गए। इन घटनाओं से स्पष्ट है कि भारत अपनी जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करने में बार-बार असफल हो रहा है। इन घटनाओं पर शासन और प्रशासन इतना गंभीर क्यों नहीं दिखाई देता?

हाल के वर्षों में भारत में भगदड़ की घटनाएं एक चक्रव्यूह की तरह घूम रही हैं। 2024 के दिसंबर में हैदराबाद के संध्या थिएटर में 'पुष्पा 2' फिल्म की स्क्रीनिंग के दौरान हुई भगदड़ में एक महिला की मौत हो गई। 2025 की शुरुआत में आंध्र प्रदेश के तिरुपति मंदिर में वैकुंठ द्वार दर्शन के टोकन वितरण के समय छह भक्तों की मौत हो गई, जब हजारों लोग टोकन के लिए उमड़ पड़े। फरवरी 2025 में नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर फुट ओवर ब्रिज पर हुई भगदड़ ने कई जानें लीं। बेंगलुरु में क्रिकेट टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की आईपीएल विजय परेड के दौरान 11 लोगों की मौत हुई, जहां प्रशासन ने भीड़ का अनुमान लगाने में चूक की। बिहार के बाबा सिद्धनाथ मंदिर में अगस्त 2024 की भगदड़ में सात मौतें हुईं। ये घटनाएं धार्मिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक आयोजनों में ही नहीं, बल्कि रेलवे स्टेशनों और सिनेमा घरों जैसे सार्वजनिक स्थानों पर भी हो रही हैं। 1954 से 2012 तक भारत में 79त्न भगदड़ें धार्मिक आयोजनों के दौरान हुईं, जो आज भी जारी है।

इन विफलताओं के पीछे कई गहरे कारण हैं। सबसे प्रमुख है आमंत्रित भीड़ का होना और अपर्याप्त प्रबंधन। आयोजक अक्सर अनुमानित संख्या से अधिक लोगों को आने की अनुमति माँग करते हैं, जबकि निकास मार्ग संकरे और अपर्याप्त होते हैं। अनुमति देने वाले विभाग भी, किन्हीं कारणों के चलते, सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतज़ामों पर ज़ोर नहीं देते। हाथरस में अस्थायी टेंट में पर्याप्त निकास न होने से भगदड़ बढ़ी। अफवाहें, जैसे आग लगने या ढांचा गिरने की, घबराहट और भगदड़ पैदा करती हैं। बुनियादी ढांचे की कमी, पुरानी इमारतों, संकरी सड़कों और पहाड़ी इलाकों में तो समझी जा सकती है। वहीं सुरक्षा कर्मियों की कमी और अप्रशिक्षित होना एक और समस्या है। महाकुंभ में वीआईपी व्यवस्थाओं पर फोकस से आम भक्तों की उपेक्षा हो जाती है। राजनीतिक और धार्मिक आयोजनों में भावनाओं का उफान भीड़ को अनियंत्रित बनाता है। इसके अलावा, आपदा राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के दिशानिर्देशों का पालन न होना एक बड़ी लापरवाही है। ये सभी कारक मिलकर भारत को बार-बार विफल कर रहे हैं, जहां जनता की जानें सस्ती साबित हो रही हैं।

ये भगदड़ें केवल आंकड़ों तक सीमित नहीं हैं, इनका मानवीय और सामाजिक प्रभाव बहुत गहरा है। परिवार टूट जाते हैं, बच्चे अनाथ हो जाते हैं और परिवार पर आर्थिक बोझ बढ़ता है। हाथरस में ज्यादातर महिलाओं की मौत ने लिंग असमानता को भी उजागर किया। मनोवैज्ञानिक आघात पीड़ितों और गवाहों को वर्षों तक सताता ट्रीय छवि खराब होती है। भारत जैसे विकासशील देश में ये घटनाएं प्रगति की राह में बाधा हैं। सवाल उठता है कि इनसे कैसे बचा जाए? प्रबंधन के लिए बहुआयामी दृष्टिकोण अपनाना होगा। सबसे पहले, पूर्व नियोजन जरूरी है। आयोजकों को अनुमति देते समय क्षमता का सख्त आकलन हो और अधिकतम संख्या तय की जाए। बुनियादी ढांचे में सुधार लाएं, चौड़े निकास, आपातकालीन मार्ग और मजबूत संरचनाएं। एनडीएमए के अनुसार, सीसीटीवी, ड्रोन और एआई का उपयोग भीड़ निगरानी के लिए किया जाए, जैसा कुंभ में प्रयास हुआ। सुरक्षा कर्मियों की संख्या बढ़ाएं और उन्हें विशेष प्रशिक्षण दें। अफवाहों पर नियंत्रण के लिए 'रियल टाइम' संचार प्रणाली लगाएं। अंतर-एजेंसी समन्वय मजबूत करें–पुलिस, आयोजक और नागरिक प्रशासन एक साथ काम करें। कानूनी सख्ती लाएं, लापरवाह आयोजकों पर कड़ी सजा और मुआवजा सुनिश्चित करें। जन जागरूकता अभियान चलाएं, जहां लोग भीड़ में धैर्य रखें और सहयोग करें। शासन और प्रशासन की ज़िम्मेदारी है कि ट्रीय उदाहरण लें, जैसे दुनिया भर के कई देशों में स्कूलों में भी आपात स्थिति से निपटने के लिए प्रशिक्षण दिया जाता है।

आईएसएसए में भारत का बढ़ा हुआ वोट शेयर वैश्विक सामाजिक सुरक्षा संवाद को आकार देने में देश के बढ़ते प्रभाव और नेतृत्व को दर्शाता है– डॉ. मांडविया

पिछले एक दशक में सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में मोदी सरकार की परिवर्तनकारी उपलब्धियों को इंटरनेशनल सोशल सिक्योरिटी एसोसिएशन द्वारा मान्यता दी गई है: डॉ. मनसुख मांडविया

भारत का सामाजिक सुरक्षा कवर पिछले दशक में वर्ष 2015 के 19 प्रतिशत से बढ़कर 2025 में 64 प्रतिशत हो गया, जो तीन गुना से अधिक वृद्धि को दर्शाता है

असंगठित श्रमिकों के दुनिया के सबसे बड़े डेटाबेस में से एक ई-श्रम पोर्टल की आईएसएसए द्वारा सराहना

भारत को सामाजिक सुरक्षा में उत्कृष्ट उपलब्धि के लिए कुआलालम्पुर में प्रतिष्ठित आईएसएसए पुरस्कार 2025 से सम्मानित किया गया

पीआईबी – इंटरनेशनल सोशल सिक्योरिटी एसोसिएशन (आईएसएसए) ने भारत को सामाजिक सुरक्षा में उत्कृष्ट उपलब्धि पुरस्कार 2025 से सम्मानित किया है। यह पुरस्कार सामाजिक सुरक्षा के विस्तार और अपने नागरिकों के लिए समावेशी कल्याण सुनिश्चित करने में देश के अनुकरणीय प्रयासों को मान्यता देता है। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार तथा युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने आज मीडिया से बातचीत में इस बात पर प्रकाश डाला। पिछले सप्ताह मलेशिया के कुआलालम्पुर में प्रदान किया गया आईएसएसए पुरस्कार भारत सरकार की ओर से डॉ. मनसुख मांडविया ने ग्रहण किया।

डॉ. मनसुख मांडविया ने कहा कि यह पुरस्कार पिछले एक दशक में मोदी सरकार द्वारा सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में किए गए परिवर्तनकारी सुधारों का प्रमाण है। उन्होंने आईएसएसए महासभा में भारत के वोट शेयर में 30 की वृद्धि पर भी जोर दिया, जो किसी भी सदस्य देश के लिए अधिकतम स्वीकार्य सीमा है। डॉ. मांडविया ने कहा, ÷यह उपलब्धि वैश्विक सामाजिक सुरक्षा संवाद और सहयोग को आकार देने में भारत के बढ़ते प्रभाव और नेतृत्व को दर्शाती है।÷ आईएसएसए पुरस्कार एक प्रतिष्ठित वैश्विक सम्मान है, जो हर तीन वर्ष में एक बार विश्व सामाजिक सुरक्षा मंच पर प्रदान किया जाता है । इस सम्मान को प्राप्त करने वाले देशों में ब्राजील (2013), चीन (2016), रवांडा (2019) और आइसलैंड (2022) शामिल हैं। वर्ष 1927 में स्थापित, इंटरनेशनल सोशल सिक्योरिटी एसोसिएशन (आईएसएसए) में 158 देशों के 330 से अधिक सदस्य संगठन शामिल हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने सामाजिक सुरक्षा कवरेज में उल्लेखनीय वृद्धि हासिल की है। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) द्वारा रेखांकित किया गया है कि यह कवरेज वर्ष 2015 में 19 प्रतिशत से बढ़कर 2025 में 64.3 प्रतिशत हो गया है। इसके परिणामस्वरूप 94 करोड़ (940 मिलियन) से अधिक नागरिक सामाजिक सुरक्षा के दायरे में आ गए हैं। इस उपलब्धि को आगे बढ़ाने वाला एक प्रमुख सुधार चार वर्ष पहले शुरू किया गया ई-श्रम पोर्टल है, जिसने 31 करोड़ (310 मिलियन) से अधिक असंगठित श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा और अन्य कल्याणकारी सेवाओं से जोड़ा है।

निर्वाचन आयोग बिहार विधानसभा चुनाव में बुजुर्गों, दिव्यांगजनों और सेवारत मतदाताओं को डाक मतपत्र के माध्यम से मतदान करने की सुविधा प्रदान करेगा

एजेंसी

भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने 6 अक्टूबर, 2025 को बिहार विधानसभा के आम चुनाव और 6 राज्यों तथा जम्मू एवं कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश के 8 विधानसभा क्षेत्रों के उपचुनावों के कार्यक्रम की घोषणा की।

जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 60 (सी) के अनुसार, आयोग ने अधिसूचित किया है कि 85 वर्ष से अधिक आयु के मतदाता और दिव्यांग मतदाता डाक मतपत्र के माध्यम से अपना वोट डाल सकते हैं।

ऐसे मतदाता फॉर्म 12डी भरकर चुनाव की अधिसूचना जारी होने के 5 दिनों के भीतर अपने बीएलओ के माध्यम से पीठासीन अधिकारी को जमा कर सकते हैं। मतदान दल उनके घर जाकर उनके वोट एकत्र करेंगे।

मतदान की तिथि पर आवश्यक सेवाओं से जुड़े मतदाता अपने संबंधित विभाग के नामित नोडल अधिकारी के माध्यम से डाक मतपत्र सुविधा के लिए आवेदन कर सकते हैं। अग्निशमन सेवा, स्वास्थ्य, बिजली, यातायात, एम्बुलेंस सेवा, विमानन, लंबी दूरी की सरकारी सड़क परिवहन निगम आदि जैसी आवश्यक सेवाएं इस सुविधा के अंतर्गत आती हैं।

मतदान दिवस कवरेज के लिए चुनाव आयोग द्वारा अधिकृत मीडियाकर्मियों को भी आवश्यक सेवाओं पर अनुपस्थित मतदाताओं की श्रेणी में शामिल किया गया है और वे डाक मतपत्र सुविधा के हकदार हैं।

सेवारत मतदाताओं को उनके डाक मतपत्र निर्वाचन अधिकारी द्वारा इलेक्ट्रॉनिकली ट्रांसमिटेड पोस्टल बैलट सिस्टम (ईटीपीबीएस) के माध्यम से, चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों की सूची अंतिम रूप दिए जाने के तुरंत बाद, इलेक्ट्रॉनिक रूप से भेजे जाएंगे। सेवारत मतदाताओं को डाक सेवाओं का खर्च वहन करने की आवश्यकता नहीं है।

पीठासीन अधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी को भी निर्देश दिया गया है कि वे राजनीतिक दलों/चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों को उपरोक्त प्रावधानों के संबंध में जानकारी दें।

भारत के डिजिटल गवर्नेंस विजन में तेजी लाने और उद्यमों के लिए व्यापार करने में सुगमता को बढ़ावा देना इसका लक्ष्य

एजेंसी – भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) के तहत राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस डिवीजन (एनईजीडी) और भारतीय दिवाला और शोधन अक्षमता बोर्ड (आईबीबीआई) द्वारा विनियमित एक सूचना उपयोगिता केंद्र, राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस सर्विसेज लिमिटेड (एनईएसएल) ने व्यवसायों और सरकारी संस्थाओं के लिए डिजिटल दस्तावेज़ प्रबंधन को बढ़ाने और एकीकृत करने के लिए एक ऐतिहासिक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं।

ग्लोबल फिनटेक फेस्ट 2025 में एनईजीडी के निदेशक श्री जेएल गुप्ता और एनईएसएल के एमडी और सीईओ श्री देबज्योति रे चौधरी की उपस्थिति में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

इस सहयोग के माध्यम से, एनईजीडी का क्लाउड-आधारित दस्तावेज़ प्रबंधन प्लेटफ़ॉर्म, एंटिटी लॉकर ङ्क जो दस्तावेज़ जारी करने, भंडारण, साझाकरण और सत्यापन को सुव्यवस्थित करने के उद्देश्य से डिजिलॉकर पहल का एक विस्तार है ङ्क एनईएसएल के डिजिटल दस्तावेज़ निष्पादन (डीडीई) प्लेटफ़ॉर्म के साथ एकीकृत होगा। एनईएसएल का डीडीई प्लेटफ़ॉर्म एक अग्रणी समाधान है जो इलेक्ट्रॉनिक बैंक गारंटी (ई-बीजी) सहित अनुबंधों के डिजिटल, कागज़ रहित और सुरक्षित निष्पादन की सुविधा प्रदान करता है, जो डिजिटल रूप में कानूनी रूप से लागू करने योग्य हैं।

यह समझौता ज्ञापन ई-बीजी के लाभार्थियों और आवेदकों को एनईएसएल के ई-बीजी रिपॉजिटरी से सीधे अपने संबंधित एंटिटी लॉकर खातों में डिजिटल रूप से निष्पादित बैंक गारंटी प्राप्त करने और उन तक सुरक्षित रूप से पहुंचने में सक्षम बनाता है। यह एकीकरण तेज़, अधिक पारदर्शी और कानूनी रूप से अनुपालन योग्य डिजिटल कार्यप्रवाह को बढ़ावा देगा, जो भारत के त्वरित डिजिटल शासन और व्यापार सुगमता के विजन में सहायता करेगा। एनईएसएल के ई-बीजी के लाभों में शामिल हैं

पूरी तरह से सुरक्षित और छेड़छाड़-रोधी दस्तावेज़ । वास्तविक बीजी के संबंध में कुछ दिनों की तुलना में कुछ मिनटों में तेजी से काम पूरा हो जाता है। डिजिटल मोड के माध्यम से जारी और सभी जीवन चक्र की घटनाएं जैसे नवीनीकरण, आह्वान आदि होती हैं। पेपरलेस, इसलिए पर्यावरण अनुकूल। केंद्रीय भंडार के माध्यम से सरलतापूर्वक सत्यापन योग्य ।

भारत नवाचार को प्रत्येक नागरिक के लिए सुलभ बनाकर इसका लोकतंत्रीकरण कर रहा है: डॉ. पेम्मासानी चंद्रशेखर

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का विजन भारत को कनेक्टिविटी से लेकर वैश्विक तकनीकी नेतृत्व की ओर ले जा रहा है

कॉलेज छात्रावासों से लेकर अंतरिक्ष मिशनों तक भारत में नवाचार इंजन अब समावेशी हैं

पीआईबी

केंद्रीय संचार एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री डॉ. पेम्मासानी चंद्रशेखर ने आज नई दिल्ली के यशोभूमि में इंडिया मोबाइल कांग्रेस 2025 के अवसर पर ÷कनेक्टिविटी से आगे: भविष्य के नवाचार के इंजनों का लोकतंत्रीकरण÷ के विषय पर आयोजित सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि भारत नवाचार को एक विशिष्ट प्रयास से जनांदोलन में बदल रहा है। डॉ. चंद्रशेखर ने इस बात पर जोर दिया कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व में, भारत एक ऐसा नवाचार इको-सिस्टम तैयार कर रहा है जो समावेशी, सुलभ और वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्धी हो। उन्होंने कहा, ÷हम भविष्य के नवाचार के इंजनों को प्रत्येक भारतीय के लिए उपयोगी बनाकर इसका लोकतंत्रीकरण कर रहे हैं।÷

डॉ. चंद्रशेखर ने राष्ट्रीय चिंतन में आए बदलाव को भारत की सबसे बड़ी उपलब्धि बताते हुए कहा कि अटल टिंकरिंग लैब्स से लेकर स्टार्टअप इंडिया, डिजिटल इंडिया और आत्मनिर्भर भारत तक की पहल नवाचार को सभी के लिए सुलभ बना रही हैं। भारत की विरासत - शून्य और शतरंज - पर विचार करते हुए उन्होंने कहा, ÷नवाचार हमारे डीएनए में है और हम इसे एक नई सदी के लिए जागृत कर रहे हैं।÷ उन्होंने कहा, ÷हमने जो हासिल किया है वह व्यवस्थित है। दुनिया भारत पर इसलिए विश्वास करती है क्योंकि भारत को खुद पर विश्वास है। हम भविष्य के नवाचार के इंजनों को हर भारतीय के लिए कारगर बनाकर इसका लोकतंत्रीकरण कर रहे हैं।÷ उन्होंने कहा कि पिछले दशक में कनेक्टिविटी से रचनात्मकता की ओर भारत की नवाचार यात्रा एक निर्णायक बदलाव का प्रतीक है। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि देश अब दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इको-सिस्टम बन गया है। यहां 1.9 लाख से अधिक स्टार्टअप हैं, जबकि पेटेंट दाखिल करने की संख्या दोगुनी हो गई है, जो 2014 में 40,000 से बढ़कर 2025 में 80,000 से अधिक हो गई है। उन्होंने देश के नवाचार परिदृश्य के तेजी से विस्तार पर जोर देते हुए कहा कि ÷कोड अब टियर-3 शहरों में लिखे जा रहे हैं और स्टार्टअप कॉलेज के छात्रावासों में जन्म ले रहे हैं। नवाचार अब एक विशेषाधिकार नहीं रहा, बल्कि यह एक राष्ट्रीय आदत बनता जा रहा है।÷

(08कैप्शन14)भारत के उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति, श्री सी. पी. राधाकृष्णन ने नई दिल्ली में संसद भवन में केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री, डॉ. वीरेंद्र कुमार और केंद्रीय राज्य मंत्री, श्री बी.एल. वर्मा से मुलाकात की।

(08कैप्शन13)इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय के सचिव, श्री एस कृष्णन ने नई दिल्ली में कृषि और पर्यावरण में इलेक्ट्रॉनिक्स और आईसीटी पर राष्ट्रीय कार्यक्रम (एग्रीएनिक्स) के तहत विकसित उत्पादों को लॉन्च किया और साथ ही प्रौद्योगिकी हस्तांतरण की घोषणा की।

हर वार्ड स्वच्छ, सुंदर और सक्रिय सहभागिता वाला बने यही हमारा लक्ष्य – संजय पाण्डे

स्वच्छता में नया संकल्प : जगदलपुर नगर निगम ने 12 वार्डों में किया जनजागरूकता स्वच्छता अभियान का शुभारंभ

इंदौर के तर्ज़ पर होगी सफाई हेतु जनजागरण एवं मानिटरिंग

जगदलपुर, लोकशक्ति। नगर पालिका निगम, जगदलपुर में आज महापौर, महापौर परिषद के सदस्य, नगर आयुक्त एवं नगर निगम की टीम की उपस्थिति में एक महत्वपूर्ण पहल की गई। बैठक में शहर की स्वच्छता व्यवस्था, जनजागरूकता और नागरिक सहभागिता को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। इस दौरान आईईसी (Information, Education, Communication) टीम ने जनजागरूकता कार्यक्रम के लिए 12 वार्डों का चयन किया, जहां नागरिकों को कचरा पृथक्करण, घर-घर कचरा संग्रहण और स्वच्छ भारत मिशन से जोड़ने हेतु प्रेरित किया जाएगा,जहाँ स्वच्छता और व्यवहार परिवर्तन से जुड़े अभियान चलाए जाएंगे। इन वार्डों में नागरिकों को घर-घर कचरा संग्रहण, कचरा पृथक्करण, स्वच्छ भारत मिशन और निगम के कार्यों में सहयोग के लिए प्रेरित किया जाएगा। विदित हो कि महापौर ने इंदौर तथा देश के कई शहरों में कार्य कर रहे ÷सृष्टि वेस्ट मैनेजमेंट÷ टीम से लगातार बात कर जगदलपुर शहर में उन्हें कार्य करने हेतु उनसे चर्चा की।तथा उन्हें जगदलपुर में आने और जगदलपुर के अनुसार प्लान बनाकर सहयोग करने का निवेदन किया था।यह टीम के द्वारा जगदलपुर में स्थित एमआरएफएवं एमआरसी सेंटर में भी कार्य किया जाता है ।इसी टीम के द्वारा इंदौर शहर को लगातार देश में सातवीं बार क्लीन सिटी का पुरस्कार जीतने में प्रभावी भूमिका निभाई है।

महापौर संजय पाण्डे ने कहा कि शहर की स्वच्छता केवल सफाई कर्मियों की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हर नागरिक का कर्तव्य है। जब हर घर और हर गली में स्वच्छता की भावना जगेगी, तभी जगदलपुर वास्तव में स्वच्छ और सुंदर बनेगा।

वहीं नगर निगम आयुक्त प्रवीण कुमार वर्मा ने भी सभी टीमों को कार्य योजना के प्रभावी क्रियान्वयन और नियमित मॉनिटरिंग के निर्देश दिए।

बता दें कि आईईसी टीम द्वारा वार्ड स्तर पर स्वच्छता रैलियाँ, नुक्कड़ नाटक, स्लोगन और पोस्टर अभियान के साथ-साथ स्कूलों में चित्रकला, क्विज़ जैसी गतिविधियाँ आयोजित की जाएंगी। महिला स्व-सहायता समूह (SHG), एनजीओ और RWA के माध्यम से भी नागरिकों से संवाद स्थापित किया जाएगा। ÷एक कदम स्वच्छता की ओर÷ जैसे जनसंदेशों के माध्यम से स्वच्छता का संदेश हर घर तक पहुँचाने की योजना बनाई गई है।

निगम का विशेष फोकस नागरिकों में व्यवहार परिवर्तन लाने पर रहेगा। इसके तहत लोगों को गीले और सूखे कचरे का पृथक्करण सिखाया जाएगा, खुले में शौच मुक्त (ODF) व्यवहार के लिए प्रेरित किया जाएगा और सिंगल यूज़ प्लास्टिक के खिलाफ जनअभियान चलाया जाएगा। साथ ही स्वच्छता को स्वास्थ्य और सम्मान से जोड़ते हुए जनता को जागरूक किया जाएगा। नगर निगम की वेबसाइट, फेसबुक और ट्विटर जैसे सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर भी स्वच्छता से जुड़ी पोस्ट और जनसंवाद को बढ़ावा दिया जाएगा। समुदाय स्तर पर मोहल्ला समितियाँ, स्वच्छता दूत और वॉलंटियर्स बनाए जाएंगे। नागरिकों को स्वच्छता ऐप के माध्यम से शिकायतें और सुझाव देने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।

निगम की योजना है कि शहर में ÷सफाई मित्र सम्मान समारोह÷ और वार्ड स्तर की प्रतियोगिताएँ भी आयोजित की जाएँ, जिनमें सबसे स्वच्छ वार्ड, सबसे साफ स्कूल जैसे पुरस्कार दिए जाएँगे। इन प्रयासों के माध्यम से जगदलपुर को ODF, Garbage Free City (GFC) और स्वच्छ सर्वेक्षण में बेहतर स्थान दिलाने का लक्ष्य रखा गया है। जगदलपुर नगर निगम ने यह संकल्प लिया है कि आने वाले महीनों में स्वच्छता की गूंज हर वार्ड में सुनाई देगी, हर वार्ड स्वच्छ, हर नागरिक सक्रिय होगा।

आज इस अभियान के शुभारंभ अवसर पर खेमसिंग देवांगन, निर्मल पाणिग्रही,लक्ष्मण झा,त्रिवेणी रंधारी,राणा घोष,संजय विश्वकर्मा, उमा मिश्रा,पितामह नायक, आयुक्त प्रवीण वर्मा,हेमन्त श्रीवास, दामोदर,शक्तिवेल सहित सृष्टि के विजय सिंह सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित थे ।

लोकशक्ति
www.lokshakti.in

दशहरा मिलन समारोह में जांजगीर राजपूत क्षत्रियों ने किया प्रतिनिधित्व

ठा.विघ्नहरण क्षत्रिय भवन में हुआ आयोजन

लोकशक्ति

अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा वीरांगना स्थापना वर्ष1897,का राष्ट्रीय दशहरा मिलन समारोह रायपुर स्थित ठाकुर विघ्नहरण सिंह क्षत्रिय भवन में दिनांक 5 अक्टूबर को विधान सभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह जी के मुख्य आतिथ्य राष्ट्रीय अध्यक्ष कुंवर हरिवंश सिंह जी की अध्यक्षता,श्रीमती वीना रमन सिंह जी ,श्रीमती ईला कल्चुरी जी ,श्री किरण देव सिंह जी ,प्रदेश अध्यक्ष अवधेश गौतम सहित अन्य प्रदेशों से पधारे राजपूत क्षत्रिय जनप्रतिनिधियों के विशिष्ट आतिथ्य में भव्यता पूर्वक सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती नीतू अमित सिंह चौहान के संयोजकत्व एवं आमंत्रण में जांजगीर राजपूत क्षत्रिय सेवा समिति के प्रांतीय अध्यक्ष देवेश कुमार सिंह ,सचिव सुरेश सिंह क्षत्रिय सहित अनेक प्रतिनिधियों एवं प्रदेश के कर्मठ राजपूत क्षत्रियों ने प्रतिनिधित्व किया । कार्यक्रम का शुभारंभ प्रभु श्री राम के भव्य तेल चित्र की पूजा अर्चना उपरांत राजपूत क्षत्रियों को सामाजिक प्रतिबद्धता के साथ निरंतर कार्य करते रहने की प्रेरणात्मक आव्हान के साथ हुआ।इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व मुख्यमंत्री एवं विधासभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह ने उपस्थित राजपूत क्षत्रियों को अपनी वंश परम्परा के अनुकूल कार्य करते रहने का आव्हान करते हुए देश की आजादी में अपना सर्वस्व बलिदान करने वाले बैरिस्टर ठाकुर छेदीलाल की व्यक्तित्व एवं कृतित्व को उल्लेखित करते हुए बैरिस्टर साहब सहित समस्त स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की पावन स्मृतियों को नमन किया ।इस अवसर पर दशहरा मिलन समारोह में पधारे मुख्य अतिथि डॉ रमन सिंह जी का आत्मीय स्वागत जांजगीर राजपूत क्षत्रिय समाज सेवा समिति के प्रांतीय अध्यक्ष देवेश कुमार सिंह के नेतृत्व में प्रांतीय सचिव सुरेश सिंह क्षत्रिय ,संरक्षक सदस्य नवनीत सिंह चंदेल ,नवल सिंह ,रायपुर कार्यकारणी के सदस्य सचिन सिंह चौहान ,अजय सिंह राणा ,विकास सिंह राणा ,भीष्म सिंह ,राजेश सिंह ,लक्की सिंह ,मलखान सिंह ,कुमार सिंह ,इंदल सिंह ,सिक्कू सिंह ,विनय सिंह ,सुनील सिंह ,सतीश सिंह ,वीरेंद्र सिंह जलभरत सिंह ,लव सिंह ,मनोज सिंह ,शिवनारायण सिंह ,भोपाल सिंह ,रुद्र सिंह ,प्रहलाद सिंह,धीरेन्द्र सिंह सहित भारी संख्या में राजपूत क्षत्रियों ने किया।

अपर कलेक्टर ने ली राजनैतिक दलों के पदाधिकारियों की बैठक

जांजगीर चाम्पा / कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी जन्मेजय महोबे के निर्देशन में अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री ज्ञानेन्द्र सिंह ठाकुर ने आज आगामी विशेष गहन पुनरीक्षण-2025 के दृष्टिगत प्रत्येक मतदान केन्द्रों में बूथ लेवल एजेंट की नियुक्ति किये जाने हेतु जिले के राजनैतिक दलों की बैठक ली।

बैठक में राजनैतिक दलों के पदाधिकारियों को आगामी विशेष गहन पुनरीक्षण के संबंध में प्रारंभिक जानकारी दी गई तथा बूथ लेवल एजेंट के नियुक्ति निर्धारित प्रारूप बीएलए-2 फॉर्म में तत्काल पूर्ण कर सूची देने कहा गया। आगामी 09-10 अक्टूबर 2025 को विधानसभा स्तर पर बूथ लेवल एजेंट के लिए आयोजित होने वाले ओरिएंटेशन कार्यक्रम के बारे में अवगत कराया गया एवं वर्तमान में हुए मतदान केन्द्रों के युक्तियुक्तकरण के अनुमोदन उपरांत नवीनतम मतदान केन्द्रों की सूची भी प्रदाय की गई। बैठक में श्री गुलाब सिंह चंदेल, श्री शिशिर द्विवेदी, श्री कमला प्रसाद कुर्रे, श्री जगमोहन पाटले, श्री अभिषेक मिश्रा प्रदेश, श्री ललित बघेल, श्री विवके सिंह सहित संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

सड़कों पर कैच व्हील लगाकर ट्रेक्टर चलाना प्रतिबंधित

जांजगीर-चांपा / जिले में दुर्घटना की संभावना को देखते हुए सड़कों पर कैच व्हील लगाकर ट्रेक्टर चलाना प्रतिबंधित किया गया है। कैच व्हील लगाकर ट्रेक्टर चलाने पर परिवहन विभाग द्वारा नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। जिला परिवहन अधिकारी श्री गौरव साहू ने बताया कि ट्रैक्टर वाहन को मुख्य रूप से किसानों द्वारा खेतों में उपयोग के लिए बनाए जाते है। इन ट्रैक्टरों को नुकीले दोहरे पिंजरों (केज व्हील) वाले पहियों को हटाए बिना, अनाधिकृत और अंधाधुंध तरीके से सड़क सीमेंट की सड़कों, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधिकार क्षेत्र वाली सड़कों पर चलाया जा रहा है। सड़क या सीमेंट की सड़कों पर ऐसे ट्रैक्टर चलते समय दोहने पिंजरों (केज व्हील) वाले पहियों को हटाया जाना चाहिए। किसान दोहरे पिंजरों वाले पहियों को हटाए बिना ही इन वाहनों को सड़क सीमेंट की सड़कों पर चला रहे है। जिले के ग्रामीण क्षेत्र में ऐसे ट्रैक्टर जिसके टायरों में लोहे का रिंग लगा हो, जिसका प्रयोग खेत में होना चाहिए और ऐसे रिंग लगे ट्रैक्टरों का ग्रामीण क्षेत्र में सामान्य सड़कों सीमेंट के सड़को में चलने पर सड़क खराब हो रही है परन्तु सड़कों में ऐसी वाहनों का संचालन किया जाना मोटर वाहन अधिनियम, नियमों के विरुद्ध है तथा जिससे दुर्घटना घटित होने की संभावना भी बढ़ जाती हैं। इन परिस्थितियों को मद्देनजर रखते हुए ऐसी वाहनों को सामान्य सड़कों में न चलाया जाये। जिला परिवहन अधिकारी ने जिले के समस्त किसानों से अपील है कि ऐसे ट्रैक्टर जिसके टायरों में लोहे का रिंग लगा कर सड़कों पर संचालन न किया जाये, जिसे सड़कें खराब होने की संभावना हो। ट्रैक्टर जिसके टायरों में लोहे का रिंग लगा कर संचालित करते पाये जाने पर नियमानुसार कार्यवाही की जावेगी।

शिवरीनारायण बाम्बे मार्केट में भीषण आग : तीन दुकान व दो ठेला जलकर खाक

जांजगीर चांपा /

शिवरीनारायण बाम्बे मार्केट में भीषण आग लगने से तीन दुकानें व दो ठेला की जलकर खाक होने का समाचार ज्ञात हुआ है । यह घटना गत 7 अक्टूबर व 8 अक्टूबर की मध्य रात्रि घटित हुई है जिसमें बॉम्बे मार्केट शहर के मध्य लगभग 1:30 से 2 बजे के बीच अज्ञात कारणों से आग लगना बताया जा रहा है। इस घटना में चित्रा इलेक्ट्रॉनिक्स, कलकत्ता होजरी, बॉम्बे साड़ी सेल , बाम्बे सु हाउस, प्रोपराइटर राजदीप थावाइत , लालू पान ठेला एवं साइकल ठेला संतोष यादव को पूरी तरह प्रभावित होना ज्ञात हुआ है । मामले का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार से है कि बॉम्बे सू हाउस में अज्ञात कारणों से आग लगने से उसकी आसपास के दुकानों में फैलती चली गई जिससे शहर की तीन बड़ी दुकानें एवं दो ठेला आग से पूर्ण रूप से क्षतिग्रस्त हो गए हैं । सभी दुकानों में आग बुझाने का कार्य थाना शिवरीनारायण पुलिस, छत्तीसगढ़ अग्निशमन सर्विस होमगार्ड जांजगीर, न्यूको सीमेंट पावर प्लांट, केएसके पावर प्लांट, प्रकाश इंडस्ट्रीज लिमिटेड, एवं मड़वा पावर प्लांट के अग्निसमन वाहनों से आग बुझाने का कार्य किया गया जिससे आग फैलना नियंत्रण में हो गई है ।

राजस्व अधिकारियों की मासिक समीक्षा बैठक संपन्न

गिरदावरी सत्यापन एवं डिजिटल क्रॉप सर्व का प्रकाशन सभी समितियों और ग्राम पंचायतों में अनिवार्य रूप से करें - कलेक्टर

आगामी खरीफविपणन 2025-26 की तैयारियों में सभी धान बेचने वाले किसानों का फार्मर रजिस्ट्री शत-प्रतिशत पूर्ण करने के निर्देश

जांजगीर-चांपा / कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे की अध्यक्षता में कलेक्टोरेट सभाकक्ष में राजस्व, कृषि एवं सहकारिता विभाग के अधिकारियों की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में आगामी खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के लिए धान खरीदी की तैयारी, एग्रीस्टैक कृषक पंजीयन, गिरदावरी सत्यापन एवं डिजिटल क्रॉप सर्वे तथा राजस्व प्रकरणों के निराकरण की समीक्षा की गई। इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्री ज्ञानेन्द्र सिंह ठाकुर, अपर कलेक्टर श्री आर. के. तंबोली, सभी एसडीएम, तहसीलदार, नायब तहसीलदार सहित संबंधित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे। बैठक में कलेक्टर ने गिरदावरी एवं डिजिटल क्रॉप सर्वे का प्रकाशन सभी समितियों और ग्राम पंचायतों में अनिवार्य रूप से करने तथा विशेष ग्राम सभा (02 अक्टूबर से 14 अक्टूबर) में पठन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए साथ ही प्राप्त दावा-आपत्तियों का समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने आगामी खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 की तैयारियों में सभी धान बेचने वाले किसानों का फार्मर रजिस्ट्री शत-प्रतिशत पूर्ण करने के निर्देश दिए। जिले में ऐसे किसान जिनका फार्मर रजिस्ट्री पूर्ण नहीं हुआ है, उनका समिति स्तर पर पटवारी, आरएईओ और समिति ऑपरेटर के माध्यम से शत-प्रतिशत पंजीयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने तहसील स्तर पर नोडल के रूप में तहसीलदार तथा सहायक नोडल के रूप में सहकारिता निरीक्षक एवं कृषि विभाग के अधिकारियों को मॉनिटरिंग कर अभियान के रूप में प्रगति लाने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने कहा कि जिन किसानों के फार्मर रजिस्ट्री एवं एकीकृत किसान पोर्टल के पंजीयन और खसरा में अंतर है, उसे शत-प्रतिशत अभियान चलाकर निराकृत किया जाए। उन्होंने खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 अंतर्गत कैरी-फॉरवर्ड कार्य तथा जिनका पर्सनल डिटेल अप्राप्त है, उसे भी समिति स्तर से शीघ्र निराकृत करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने सभी राजस्व पीठासीन अधिकारियों को अपने न्यायालय में नियमित बैठने और नियत पेशी दिवस पर अनिवार्य रूप से उपस्थित रहकर प्रकरणों की सुनवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने 3 वर्ष से अधिक पुराने सभी प्रकरणों को निराकृत करने तथा लंबित राजस्व प्रकरणों की समीक्षा कर जिन ग्रामों में अधिक मामले लंबित हैं, वहाँ कैंप कोर्ट आयोजित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने माह अक्टूबर के अंत तक विशेष अभियान चलाकर सभी समय-सीमा से बाहर के प्रकरणों के निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने नक्शा बटांकन के कार्य हेतु प्रत्येक पटवारी को प्रति हल्का प्रति सप्ताह 100 नक्शा-दुरुस्ती करने का लक्ष्य दिया।

राजस्व विभाग के लंबित प्रकरणों का निराकरण करने के दिए निर्देश*

कलेक्टर ने सीमांकन, ई-कोर्ट, त्रुटि-सुधार, फौती, विवादित एवं अविवादित नामांतरण, विवादित एवं अविवादित बटवारा, नक्शा बटांकन, व्यपवर्तन, अभिलेख शुद्धता, आरबीसी 6-4, स्वामित्व योजना, आधार प्रविष्टि, भू-अर्जन, वसूली तथा न्यायालयीन सहित अन्य राजस्व प्रकरणों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अधिकारी को लंबित मामलों के निराकरण में तेजी से प्रगति सुनिश्चित करें।

किसानों की सुविधा के लिए विशेष शिविर आयोजित होंगे -

कलेक्टर ने कहा कि राजस्व, कृषि एवं सहकारी समिति के समन्वय से विशेष शिविर आयोजित करें। जिनमें किसानों से संबंधित भूमि, फसल, एग्रीस्टैक पंजीयन, खसरा-मिलान और अन्य कृषि-संबंधी मामलों का समाधान एक ही स्थल पर किया जाएगा। शिविरों में राजस्व, कृषि एवं सहकारी समिति के कर्मचारियों की उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जिले के 10 पीएम श्री विद्यालयों में मानदेय पर संगीत प्रशिक्षक एवं अंशकालीन योग प्रशिक्षण, खेल शिक्षक, प्रशिक्षकों हेतु पात्र अपात्र की सूची जारी

दावा आपत्ति 13 अक्टूबर तक आमंत्रित

जांजगीर-चांपा / प्रबंध संचालक, राज्य परियोजना कार्यालय, समग्र शिक्षा, छत्तीसगढ़ रायपुर के निर्देशानुसार जांजगीर-चांपा जिले के 10 पीएम श्री विद्यालयों (पीएमश्री शा.प्राथ.शा. कापन, शा. कन्या प्राथ.शा. बलौदा, शा.जन.प्राथ.शा. नवगवां, शा.प्राथ.शा. बरपाली चांपा, शा.प्राथ.शा. लखुर्री, शा.प्राथ.शा. मिसदा, शा.प्राथ.शा. भाठापारा नवागढ़, शा.प्राथ.शा. बारगांव, पीएमश्री स्कूल सेजेस क्र.-1 एवं पीएमश्री स्कूल सेजेस बलौदा) में मानदेय पर संगीत प्रशिक्षक एवं अंशकालीन योग प्रशिक्षण, खेल शिक्षक, प्रशिक्षकों की सेवाएं हेतु आवेदन आमंत्रित किया गया था। जिला मिशन समन्वयक समग्र शिक्षा ने बताया कि उक्त पदो के चयन के संबंध में पात्र-अपात्र की सूची जारी कर दी गयी है। अभ्यर्थी 13 अक्टूबर 2025 को सांय 5 बजे तक जिला परियोजना कार्यालय में अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। पात्र-अपात्र की सूची सभी पीएमश्री शालाओं तथा जिला परियोजना कार्यालय के सूचना पटल पर चस्पा किया गया है।

जल संरक्षण और आजीविका का सशक्त माध्यम

जांजगीर-चांपा / ग्रामीण जीवन का आधार सदैव कृषि और पशुपालन रहा है, परंतु इन दोनों ही कार्यों की आत्मा है जल। यदि जल की व्यवस्था सुदृढ़ हो जाए तो ग्रामीण अर्थव्यवस्था स्वयं सशक्त हो जाती है। इसी सोच को साकार रूप दिया है ग्राम पंचायत जाटा के ग्राम बहेराडीह निवासी किसान श्री दुलार सिंह ने, जिन्होंने मनरेगा योजना के माध्यम से अपनी भूमि पर डबरी निर्माण कर आत्मनिर्भरता की मिसाल कायम की है। डबरी निर्माण होने से पूर्व श्री दुलार सिंह को अपने खेतों की सिंचाई हेतु जल की कमी रहती थी, जिससे सीमित फसल ही ले पाते थे। इसके अलावा बतख पालन, मछली पालन एवं धान की खेती की सिंचाई करने के लिए हमेशा पानी की कमी को महसूस करते आ रहे थे, ऐसे में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के माध्यम से ग्राम पंचायत जाटा में श्री दुलार सिंह के खेत पर डबरी निर्माण कार्य स्वीकृत किया गया।

कलेक्टर ने जनदर्शन में सुनी लोगों की समस्याएं

बिलासपुर (संवाददाता)।

कलेक्टर संजय अग्रवाल ने साप्ताहिक जनदर्शन में आज दूर-दराज से पहुंचे ग्रामीणों की फरियादें सुनी। उन्होंने एक-एक कर प्रत्येक व्यक्ति से मुलाकात कर उनका आवेदन लिया और आवश्यक कार्रवाई के लिए मौजूद अधिकारियों को निर्देश दिए। बिल्हा विकासखण्ड के ग्राम पंचायत सारधा के सरपंच द्वारा ग्राम पंचायत में स्थित उप-स्वास्थ्य केंद्र के जर्जर हो जाने के कारण नवीन उप स्वास्थ्य केंद्र बनाये जाने की मांग की। कलेक्टर ने इसे गंभीरता से लेते हुए सीएमएचओ को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

जनदर्शन में ग्राम बैमा निवासी दिव्यांग लक्ष्मीनारायण ने शौचालय निर्माण के लिए सहायता दिलाने हेतु आवेदन दिया। उन्होंने बताया कि वे 90 प्रतिशत दिव्यांग है, उनके घर में शौचालय नहीं होने के कारण शौच के लिए उन्हें बाहर जाना पड़ता है। सीईओ जिला पंचायत को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए। तखतपुर ब्लॉक के बुटेना निवासी लखराम साहू ने कलेक्टर से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। उन्होंने बताया कि पूर्व में वे ग्राम खैराखुर्द में निवास करते थे जहां उन्हें हर महीने विकलांगता पेंशन मिलती थी। किसी कारणवश खैराखुर्द छोड़कर वे ग्राम बुटेना में निवासरत है। पिछले कई माह से वर्तमान गांव में पेंशन प्राप्त करने के लिए नाम जुड़वाने आवेदन दे चुके है परंतु अभी तक इस पर कोई कार्यवाही नहीं हो सकी है। कलेक्टर ने जनपद पंचायत सीईओ तखतपुर को उनका आवेदन सौंपते हुए इसका समाधान कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। बोदरी तहसील के ग्राम पोड़ी निवासी 74 वर्षीय वृद्ध रामसहाय दिवाकर ने वृद्धा पेंशन राशि दिलाने की मांग की।

कलेक्टर ने जनपद पंचायत सीईओ बिल्हा को कार्रवाई करने के लिए ज्ञापन सौंपा। गोकने नाला के स्टाप डेम में गेट लगवाने के लिए जनपद पंचायत तखतपुर के उपाध्यक्ष राकेश तिवारी द्वारा मांग की गई है ताकि डेम में जलभराव हो सके इससे आसपास रहने वाले 20 से 25 गांव का जलस्तर बढ़ेगा। इसके साथ ही निस्तारी की समस्या भी दूर होगी। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए। जनदर्शन में जिला पंचायत सीईओ संदीप अग्रवाल एवं निगम आयुक्त अमित कुमार ने भी लोगों की समस्याएं सुनी। लगभग 62 लोगों ने जनदर्शन में व्यक्तिगत एवं सामुदायिक हित से जुड़े विषयों को लेकर जिला प्रशासन का ध्यान आकृष्ट करते हुए आवेदन दिए।

खास खबर

दुर्गा विसर्जन के दौरान शराब पीने के लिए पैसा मांगने पर नहीं देने पर मारपीट करने वाला आरोपी गिरफ्तार

बिलासपुर, दुर्गा विसर्जन कार्यक्रम के दौरान आम नागरिकों के साथ मारपीट एवं गाली-गलौज जैसी घटनाओं पर अंकुश लगाने हेतु बिलासपुर पुलिस द्वारा त्वरित व प्रभावी कार्यवाही करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया है। गिरफ्तार आरोपी का नाम राहुल गिरी गोस्वामी उर्फ छेदा आदतन अपराधी पिता - राजेश गिरी गोस्वामी उम्र - 24 वर्ष निवासी - शिव टॉकीज चौक, टिकरापारा, थाना सिटी कोतवाली। दिनांक 5 अक्टूबर की रात लगभग 01:00 बजे, प्रार्थी - अनिल पटेल (उम्र 27 वर्ष), निवासी ग्राम पाली, थाना मस्तूरी दुर्गा विसर्जन एवं झांकी देखने शनिचरी बाजार से खाटू श्याम मंदिर रोड होते हुए गोल बाजार की ओर जा रहा था। सुबह लगभग 06:00 बजे, मल्टीलेवल पार्किंग के पास आरोपी राहुल गोस्वामी ने उसे रोककर शराब पीने के लिए पैसे की मांग की। पैसे नहीं देने पर आरोपी ने– अश्लील एवं गंदी-गंदी गाली-गलौज की हाथ-मुक्कों से प्रार्थी के साथ मारपीट की जान से मारने की धमकी दी जिसपर थाना सिटी कोतवाली में अपराध क्रमांक 542/25 पंजीबद्ध धारा 119(1), 296, 115(2), 351(2) बीएनएस तत्पश्चात पुलिस द्वारा आरोपी की तलाश कर टिकरापारा चौक क्षेत्र से घेराबंदी कर गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में आरोपी ने अपराध करना स्वीकार किया आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर जेल भेजा गया है।

भगत प्रकाश महाराज का सिंधी समाज ने किया स्वागत

कोरबा, । कोरबा अंचल में सिंधी समाज के गुरुदेव भगत प्रकाश महाराज के नगर आगमन पर श्रद्धालुओं में हर्ष और उत्साह की लहर दौड़ पड़ी। शनिवार प्रातः 11 बजे गुरुदेव भगत प्रकाश का श्री सप्तदेव मंदिर पहुंचने पर मंदिर परिसर में उनका पारंपरिक स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। मंदिर के प्रमुख ट्रस्टी अशोक मोदी ने गुरुदेव का दुपट्टा ओढ़ाकर और श्रीफल भेंट कर गरिमामय स्वागत किया। इस अवसर पर मंदिर परिसर में वातावरण जयकारों, आरती और भक्ति गीतों से गूंज उठा।

अवैध शराब बेचते एक गिरफ्तार

बिलासपुर,। जिले की तखतपुर थाना पुलिस ने अवैध रूप से शराब बेचने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 22 पौवा देशी शराब जब्त किया है। बता दें कि वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बिलासपुर रजनेश सिंह (भापुसे) के द्वारा जिले में नशे, अवैध कारोबार करने वालो पर अंकुश लगाने के लिए निर्देशित किया गया है जिसके परिपालन में अवैध शराब बिक्री/परिवहन करने वालो के उपर सतत् निगाह रखी जा रही है। दिनाँक 05.10.2025 को जरिये मुखबीर से सूचना कि एक व्यक्ति ग्राम हाई स्कुल के पास एक व्यक्ति अवैध शराब बिक्री करने हेतु रखा है टीम गठित कर मुखबीर की सूचना तस्दीक एव कार्यवाही हेतु रवाना हुए मौके पर पहुचकर घेराबंदी कर रेड कार्यवाही कर एक व्यक्ति को पकडा ।

कुआंभट्ठा सड़क किनारे अवैध निर्माण व अतिक्रमण जारी, प्रशासनिक स्तर पर कार्रवाई नहीं

कोरबा - शहर में सरकारी जमीनों पर कब्जा जमाने का सिलसिला लगातार बढ़ता जा रहा है। नगर निगम, सीएसईबी और राजस्व विभाग की खाली पड़ी जमीनों पर कब्जे की होड़ मची हुई है। अब यह अवैध कब्जे का खेल कोरबा के प्रमुख क्षेत्र कुआंभट्ठा तक पहुँच गया है, जहां सडक के दोनों ओर की जमीन पर लगातार अवैध निर्माण और अतिक्रमण किए जा रहे हैं।

ऐसा प्रतीत होता है कि या तो इन पर रोक लगाने वाला कोई अधिकृत अधिकारी नहीं है, या फिर संबंधित विभागों की इस दिशा में कोई रुचि नहीं रह गई है। छत्तीसगढ़ स्टेट पावर जनरेशन कंपनी ने अपनी जमीन की सुरक्षा के लिए एक हिस्से में विद्युत उपकेंद्र का निर्माण कराया था और बाकी भूमि के चारों ओर मारपीट वायर लगाकर सुरक्षा घेरे की व्यवस्था की थी। लेकिन अवैध कब्जाधारियों ने इस सुरक्षा घेरे को तोडकर उसे नष्ट कर दिया और जमीन पर अतिक्रमण कर अपने ठेले, गुमटी और दुकानें स्थापित कर लीं। इस क्षेत्र की खाली जमीन पर अब गमले बेचने वाले, टायर मरम्मत की दुकानें, चखना प्वाइंट, चाय और नाश्ते की ठेलियां लगातार बढ़ती जा रही हैं। कुछ लोगों ने स्थायी निर्माण की तैयारी भी शुरू कर दी है। हालात ऐसे हैं कि रोजाना कोई न कोई नई दुकान या झोपडी बन रही है।

साठगांठ के आधार पर कुछ लोग जमीन का दावा कर रहे हैं, जबकि यह जमीन सरकारी रिकॉर्ड में स्पष्ट रूप से राजस्व या निगम की संपत्ति दर्ज है। बावजूद इसके, प्रशासनिक स्तर पर अब तक किसी प्रकार की कार्रवाई नहीं की गई है। लगातार अवैध निर्माणों के बावजूद किसी भी विभाग की ओर से न तो नोटिस जारी किया गया है, न तो कब्जे हटाने की कार्रवाई हुई है। यही कारण है कि अतिक्रमणकारियों का मनोबल और भी बढ़ गया है। यदि स्थिति पर जल्द नियंत्रण नहीं किया गया तो आने वाले समय में यह पूरा क्षेत्र अवैध बस्तियों और दुकानों में तब्दील हो सकता है।

लीडर बेस्ड नहीं होगा कांग्रेस का जिलाध्यक्ष – पूर्व सांसद खूटिया

कोरबा,। कांग्रेस के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, पूर्व सांसद एवं एआईसीसी पर्यवेक्षक डॉ. रामचंद्र खूटिया ने कहा है कि कांग्रेस का जिलाध्यक्ष अब लीडर बेस्ट नहीं होगा बल्कि संगठन व उसके कार्यकर्ता जिसे चाहेंगे उसे अध्यक्ष बनाया जाएगा। श्री खूटिया आज जिला कांग्रेस कार्यालय में पत्रकारों से चर्चा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि लोकसभा में विपक्ष के नेता एवं कांग्रेस नेता राहुल गांधी संगठन को नया रूप देना चाहते हैं सो इसके लिए गुजरात अधिवेशन में मंजूरी के बाद पार्टी द्वारा संगठन सृजन अभियान चलाया जा रहा है। इस सिलसिले में यहां लोगों व कार्यकर्ताओं का मन टटोलने तथा उनकी पसंद को जानने के लिए यहां कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे एवं राहुल गांधी के निर्देशानुसार आए हुए हैं। वे कांग्रेस संगठन से जुड़े सभी संगठनों को एक के बाद एक बैठक लेकर उनकी पसंद को जानने की कोशिश करेंगे और अपनी रिपोर्ट पार्टी हाईकमान तथा राहुल गांधी को सौंप देंगे। पहले जिला कांग्रेस के शहर एवं ग्रामीण अध्यक्ष बनाए जाएंगे। तत्पश्चात् ब्लॉक कमेटी, मंडल कमेटी, रीजनल कमेटी तथा बूथ कमेटी के अध्यक्ष घोषित किए जाएंगे। कमेटी में महिलाओं समेत सभी वर्गों की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। इसके लिए बी-फार्म भी भराया जाएगा। उन्होंने कहा कि अध्यक्ष बनने के लिए संबंधित नेता का कांग्रेसी होना जरूरी है जो कम से कम 5 वर्षों से पार्टी से जुड़ा हो और सक्रिय रूप से कार्य कर रहा हो। उनकी छवि स्वच्छ हो तथा उनके खिलाफ कोई क्रिमिनल केस न हो। श्री खूटिया ने कहा कि अपने कोरबा प्रवास के दौरान वे श्रमिक संगठनों के प्रतिनिधियों से भी मुलाकात करेंगे और कांग्रेस के लिए काम करने को कहेंगे।

नाबालिग को शादी को प्रलोभन देकर दुष्कर्म,आरोपी गिरफ्तार

बिलासपुर, जिले की थाना तखतपुर पुलिस ने एक नाबालिक लड़की को शादी का प्रलोभन देकर जबरदस्ती भगाकर ले जाने एवं बलात्कार करने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। मिली जानकारी के अनुसार एक प्रार्थी ने दिनांक 04.10.2025 को थाने में रिपोर्ट लिखाई कि उसकी नाबालिक लड़की को कोई व्यक्ति बहला फुसला कर भगा कर ले गया है। प्रार्थी की रिपोर्ट पर गुम इसांन पर से अपराध कायम कर विवेचना मे लिया गया। प्रकरण महिला संबंधी गंभीर अपराध होने से मामले को गंभीरता पूर्वक लेते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बिलासपुर रजनेश सिंह (भापुसे) के द्वारा गंभीर अपराधों मे आरोपियो को जल्द से जल्द गिरफ्तारी एवं कार्यवाही का निर्देश दिया गया। मुखबिर की सूचना के आधार पर घटना के फरार आरोपी आलोक अहुजा पिता सुनील अहुजा के कब्जे से पीड़िता को बरामद किया गया आरोपी द्वारा पीडीता को नाबालिक होना जानते हुए भी पीड़िता को शादी का प्रलोभन देकर बहला फुसलाकर भगाकर ले जाना एवं पीड़िता के साथ दुष्कर्म करना पाये जाने से आरोपी को आज दिनांक को गिरफ्तार कर ज्यूडिशियल रिमाड पर जेल भेजा गया है।

ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से कार्रवाई की मांग की

सड़क निर्माण का कार्य सिंचाई विभाग ने किया, लालपुर पंचायत ने लिया लाभ

कोरबा, । पोड़ी उपरोड़ा ब्लॉक के लालपुर पंचायत में गजब खेल करने में सरपंच और सचिव ने साहस दिखाया। संतोष कश्यप के घर से चर्च होते हुए डेम मार्ग पर सडक का निर्माण एरिगेशन विभाग द्वारा किया गया। ग्राम पंचायत ने इसे अपने नाम पर दर्शाकर 2,14,353 रुपए की राशि निकाल ली। ग्रामीणों ने कई खुलासे किए और प्रशासन से जांच के साथ कार्रवाई की मांग की।

बताया गया कि नया सोसाइटी भवन तक के सीसी रोड को भी पंचायत का बताकर 2 लाख रुपये का भुगतान करा लिया गया। नियमानुसार भुगतान सीधे वेंडर या फर्म के खाते में होना चाहिए, लेकिन यहां राशि सीधे सरपंच धनेश्वर सिंह ओरकेरा के खाते में स्थानांतरित की गई। वर्ष 2024-25 में मंच निर्माण हेतु दो बार भुगतान 40,000 रुपए, चबूतरा निर्माण 19,000 रुपए, सीसी रोड निर्माण सामग्री 74,353 रुपए, पचरी निर्माण 74,880 रुपए, सबमर्शीबल पम्प व सिंटेक्स सामग्री 49,900 रुपए, बोर खनन 1,99,000 रुपए, बाउंड्री वाल निर्माण 1,19,868 रुपए, चर्च में बाउंड्री वाल निर्माण 1,20,000 रुपए, रोड मरम्मत एवं पुलिया सामग्री 50,000 रुपए, हेंडपम्प हेतु सामग्री 30,000 रुपए सहित बोर खनन, सबमर्शीबल पम्प, सीमेंट-गिट्टी, सामग्री क्रय और अन्य मदों में भी लाखों रुपये का भुगतान गोलमाल किया गया है। एक निर्माण कार्य के 70 हजार रुपए हुसैन पान मसाला को दे दिया गया है। जबकि डेम के पास बोर की राशि 48 हजार रुपए रविशंकर के खाते में ट्रांसफर की गई। ग्राम पंचायत लालपुर के सरपंच धनेश्वर सिह के निजी खाते में लाखों रुपये का ट्रांजेक्शन हुआ है, वहीं ग्राम सचिव हसन अली इस भ्रष्टाचार के खेल में शामिल हैं। कहा गया कि सचिव को कई अधिकारियों ने सह देकर रखा है इसलिए वह इस विकासखंड और पंचायत से नहीं हट रहा है। प्रशासन के पास तथ्यों के साथ मामले की जानकारी दी गई है और कार्रवाई की मांग की गई है।

स्वास्थ्य विभाग ने की एफआईआर की अनुशंसा, संकुल समन्वयक सस्पेंड

बिलासपुर (संवाददाता)।

बिल्हा ब्लाक में फर्जी मेडिकल बिल के आधार पर 40 लाख रुपए निकालने के मामले में शिक्षा विभाग के ज्वाइंट डायरेक्टर आरपी आदित्य ने बिल्हा ब्लाक में पदस्थ शिक्षक और संकुल समन्वयक साधे लाल पटेल को निलंबित कर दिया है।

इसके साथ ही राशि गबन के मामले में शिक्षक के खिलाफ एफआईआर भी कराई जाएगी। जेडी ने इस बारे में जिला शिक्षा अधिकारी को पत्र लिखते हुए अनुशंसित भी किया है। यह पूरी कार्रवाई जांच कमेटी ने रिपोर्ट के आधार पर की है।

जांच तत्कालीन विकासखंड शिक्षा अधिकारी बिल्हा पर भी नियमानुसार कार्रवाई करने की अनुशंसा की गई है। बीईओ आफिस के कर्मचारियों को भी दोषी माना गया है। साथ ही संबंधितों से 6 लाख 74 हजार 70 रुपए वसूली करने भी कहा है।

ज्वाइंट डायरेक्टर के मुताबिक सभी पर कार्रवाई होगी। बिल्हा ब्लॉक में पदस्थ और संकुल समन्वयक शिक्षक साधे लाल पटेल ने अपने और परिजनों के नाम पर विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय बिल्हा में 40 लाख का फर्जी मेडिकल बिल जमा किया। फर्जी मेडिकल बिल को विभाग ने राज्य कार्यालय को फारवर्ड कर राशि भी मंगा ली। कुछ राशि का भुगतान होता इसके पहले ही शिकायत हो गई और कुछ बिल को रोक दिया गया। मामले में जांच कमेटी बनाई गई। साथ ही स्वास्थ्य विभाग से बिल जारी करने की पुष्टि की गई। जांच के दौरान में श्रीमती शिल्पा शर्मा कार्या सहायक ग्रेड 3 वि.खं.शि.अधि. बिल्हा की ओर से कहा गया है है कि साधेलाल पटेल शिक्षक संकुल समन्वयक द्वारा भुगतान हेतु जिला कोषालय बिलासपुर प्रेषित किए जाने हेतु काफी दबाव डाला गया। सभी देयक विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय बिल्हा द्वारा स्वीकृत तो किए गए लेकिन भुगतान हेतु कोषालय में प्रस्तुत नहीं किया गया है।

जीवनदायिनी हसदेव के संरक्षण के लिए सामूहिक संकल्प

0 आश्विन पूर्णिमा पर होगा संकल्प सभा एवं हसदेव आरती का आयोजन

कोरबा (आरएनएस)। जिले की जीवनदायिनी हसदेव नदी के संरक्षण, स्वच्छता एवं तट सौंदर्यीकरण को लेकर निरंतर कार्य कर रही नमामि हसदेव सेवा समिति द्वारा आगामी 7 अक्टूबर 2025, मंगलवार को आश्विन पूर्णिमा के पावन अवसर पर संकल्प सभा एवं हसदेव आरती का भव्य आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम कोरबा स्थित माँ सर्वमंगला घाट पर दोपहर 3 बजे से प्रारंभ होगा। समिति पिछले कई वर्षों से हसदेव नदी, उसकी सहायक नदियों और अन्य जल स्रोतों को प्रदूषण से मुक्त करने, जनजागरूकता फैलाने और धार्मिक-सांस्कृतिक मूल्यों को जाग्रत करने हेतु प्रत्येक मास की पूर्णिमा पर हसदेव आरती का आयोजन करती आ रही है।

इस विशेष आयोजन में स्वामी भजनानंद वनवासी सेवा आश्रम, केन्दई की साध्वी गिरिजेश नंदनी जी तथा श्री हरिहर क्षेत्र केदार, मदकू द्वीप के संत श्री रामरूपदास महात्यागी जी का पावन सानिध्य प्राप्त होगा। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति भी रहेगी। मुख्य अतिथि के रूप में नगर पालिक निगम कोरबा की महापौर श्रीमती संजू देवी राजपूत शामिल होंगी, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला पंचायत कोरबा के अध्यक्ष डॉ. पवन कुमार सिंह करेंगे। विशिष्ट अतिथि के रूप में नगर पालिका परिषद दीपका के अध्यक्ष श्री राजेन्द्र सिंह राजपूत, नगर पंचायत पाली के अध्यक्ष श्री अजय जायसवाल तथा नगर पंचायत छुरी की अध्यक्ष श्रीमती पद्मिनी देवांगन उपस्थित रहेंगे।

संतों के आशीर्वाद और जनसहयोग से छत्तीसगढ़ आगे बढ़ रहा है विकास और आस्था के मार्ग पर : मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

रायपुर। छत्तीसगढ़ की पुण्यभूमि माता कौशल्या की जन्मस्थली होने के साथ-साथ प्रभु श्रीराम का ननिहाल भी है – यह हमारे लिए परम सौभाग्य और गर्व का विषय है। प्रभु श्रीराम ने अपने चौदह वर्षों के वनवास काल का अधिकांश समय इसी पावन छत्तीसगढ़ की धरती पर व्यतीत किया, जिससे यह भूमि भक्ति, त्याग और मर्यादा की दिव्यता से आलोकित हुई। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज बालोद जिले के डौंडीलोहारा विकासखंड के ग्राम बड़े जुंगेरा स्थित माँ कौशल्या धाम, जामड़ी पाटेश्वर आश्रम में आयोजित श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए यह बात कही। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने संत श्री रामकृष्णदास महात्यागी एवं संत श्री रामजानकीदास महात्यागी के समाधि स्थल पहुँचकर श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने दोनों संत महापुरुषों के राष्ट्र, समाज और अध्यात्म के प्रति योगदान को नमन करते हुए कहा कि उनके त्याग, तप और सेवा से छत्तीसगढ़ की यह भूमि आज भी आलोकित है।

स्वच्छता पखवाडा के अंतर्गत स्वच्छ रेलगाडी थीम पर मंडल से गुजरने वाली गाड़ियों में चलाया गया

रायपुर । भारतीय रेलवे द्वारा स्वच्छ रेल ङ्क स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत 01 अक्टूबर से 15 अक्टूबर 2025 तक स्वच्छता पखवाड़ा का आयोजन पूरे देश में किया जा रहा है। इस पखवाड़े का उद्देश्य रेलवे परिसरों, ट्रेनों एवं कार्यालयों में स्वच्छता के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना तथा स्वच्छ, सुरक्षित और पर्यावरण-अनुकूल यात्रा अनुभव सुनिश्चित करना है। दिनांक 05 व 06 अक्टूबर को स्वच्छ रेलगाडी थीम पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। मंडल के नामित अधिकारियों और कर्मचारियों की टीमों द्वारा मंडल से गुजरने वाली स्पेशल एवं सभी सामान्य गाडियों में स्वच्छता का गहन निरीक्षण किया गया । इस व्यापक सफाई अभियान में ऑन-बोर्ड हाउसकीपिंग स्टाफ, सफाई मित्रों तथा पेंट्रीकार कर्मियों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। इस दौरान सभी गाडियों के विशेष रूप से टॉयलेट की साफसफाई के साथ ही साथ भीतरी स्थानों में बेहतर सफाई व्यवस्था सुनिश्चित की गई। गाड़ियों में उपलब्ध ऑन बोर्डिंग हाउसकीपिंग स्टाफ एवं पेंट्रीकार में ऑन ड्यूटि स्टाफ को स्वच्छता बनाए रखने के लिए आवश्यक निर्देश दिये गए। इसके अतिरिक्त यात्रियों को ट्रेनों में उपलब्ध बायो-टॉयलेट्स के उचित उपयोग की जानकारी दी गई तथा यह बताया गया कि इनका सही उपयोग पर्यावरण संरक्षण में सहायक है। यात्रियों को यह भी समझाया गया कि टॉयलेट में प्लास्टिक, कपड़ा या अन्य ठोस वस्तुएँ डालने से न केवल सिस्टम प्रभावित होता है बल्कि सफाई व्यवस्था पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

आम जनता को मिले जीएसटी की घटी दरों का लाभ – वित्त मंत्री ओ. पी. चौधरी

रायपुर। वित्त मंत्री ओ. पी. चौधरी ने ली 'जीएसटी बचत उत्सव' की विशेष समीक्षा बैठकनवा रायपुर में आयोजित 'जीएसटी बचत उत्सव' की विशेष समीक्षा बैठक में वित्त एवं वाणिज्यिक कर मंत्री श्री ओ. पी. चौधरी ने राज्य के नागरिकों को जीएसटी की घटी दरों का त्वरित लाभ सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जीएसटी दरों में की गई कटौती का लाभ सीधे आम जनता तक पहुँचना चाहिए, ताकि हर परिवार को वास्तविक बचत और व्यापारियों को राहत मिल सके।

वित्त मंत्री श्री चौधरी ने बैठक में राज्य के सभी बाजारों की स्थिति की विस्तृत समीक्षा करते हुए अधिकारियों से फीडबैक लिया। उन्होंने निर्देश दिया कि जीएसटी दरों में की गई कमी का लाभ उपभोक्ताओं तक पारदर्शी रूप से पहुँचे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में ÷जीएसटी 2.0÷ के अंतर्गत दरों में ऐतिहासिक कमी की गई है, जिसका उद्देश्य नागरिकों को राहत देना और व्यापार को सुगमता प्रदान करना है। यह राज्य सरकार की जिम्मेदारी है कि इस सुधार का लाभ समयबद्ध और ईमानदारीपूर्वक जनता तक पहुँचे।

गौरतलब है कि आम उपयोग की वस्तुओं की दरों में व्यापक कमी की गई है – लगभग 99 प्रतिशत वस्तुएँ अब 5 प्रतिशत जीएसटी स्लैब में लाई गई हैं। इस निर्णय से उपभोक्ताओं को प्रत्यक्ष रूप से बड़ी बचत हो रही है। उदाहरण के तौर पर, ट्रैक्टर जैसी कृषि मशीनरी पर 60,000 रुपये से 1,20,000 रुपये तक की बचत संभव हुई है। वहीं, कपड़ों और दैनिक उपयोग की वस्तुओं की कीमतों में भी उल्लेखनीय कमी आई है, जिससे आमजन का वार्षिक खर्च काफी घटेगा।

उल्लेखनीय है कि 22 सितंबर 2025 से लागू हुए जीएसटी 2.0 सुधारों का उद्देश्य आम भारतीय परिवारों को प्रत्यक्ष लाभ पहुँचाना है। इन सुधारों के तहत स्वास्थ्य क्षेत्र में महत्वपूर्ण राहत दी गई है। व्यक्तिगत जीवन और स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम अब जीएसटी मुक्त हैं, जिससे परिवारों को सालाना हजारों रुपये की बचत होगी. अधिकांश दवाइयों, मेडिकल उपकरणों और डायग्नोस्टिक किट पर जीएसटी दर 12त्न से 5त्न कर दी गई है, जबकि कई जीवनरक्षक दवाइयाँ पूरी तरह टैक्स मुक्त कर दी गई हैं।इन सुधारों से न केवल आम नागरिकों को स्वास्थ्य खर्च में राहत मिली है, बल्कि घरेलू बजट पर सकारात्मक असर भी पड़ा है।वित्त मंत्री श्री चौधरी ने सभी जिलों के जीएसटी अधिकारियों से कहा की वे यह सुनिश्चित करें कि कोई भी वस्तु पुरानी दरों पर न बेची जाए। यदि कोई पुराना स्टॉक उपलब्ध हो, तो उस पर नई संशोधित दरें अंकित की जाएँ और वस्तुएँ केवल नई दरों पर ही बेची जाएँ, ताकि जीएसटी दरों में की गई कटौती का लाभ सीधे उपभोक्ताओं तक पहुँचे। उन्होंने यह भी कहा कि 'जीएसटी बचत उत्सव' की दैनिक रिपोर्टिंग सुनिश्चित की जाएगी।

छत्तीसगढ़ राज्य के निर्माता अटल जी के सम्मान में सभी नगरीय निकायों में बना रहे अटल परिसर: अरुण साव

उप मुख्यमंत्री ने चार अटल परिसरों का किया लोकार्पण

श्री साव ने 3.16 करोड़ के कार्यों का किया लोकार्पण, 2.49 करोड़ की लागत के एसटीपी का भूमिपूजन भी किया

विकास कार्यों के लिए साढ़े नौ करोड़ देने की घोषणा की

रायपुर। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री श्री अरुण साव ने आज जांजगीर-चांपा जिले के चार नगरीय निकायों में तीन करोड़ 16 लाख रुपए की लागत से नवनिर्मित अटल परिसरों तथा विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण किया। उन्होंने नवागढ़ में दो करोड़ 49 लाख रुपए की लागत से बनने वाले एसटीपी का भूमिपूजन भी किया। श्री साव ने आज पामगढ़ नगर पंचायत पामगढ़ में 19 लाख 95 हजार रुपए, राहौद नगर पंचायत के बुंदेला चौक में 19 लाख 95 हजार रुपए, खरौद नगर पंचायत में 19 लाख 93 हजार रुपए एवं नवागढ़ नगर पंचायत के हाट-बाजार परिसर में 19 लाख 95 हजार रुपए की लागत से नवनिर्मित अटल परिसरों का लोकार्पण किया। विधायक श्री ब्यास कश्यप तथा पूर्व विधानसभा उपाध्यक्ष श्री नारायण चंदेल भी लोकार्पण-भूमिपूजन कार्यक्रम में शामिल हुए।

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने पामगढ़ नगर पंचायत में भवन निर्माण के लिए एक करोड़ रुपए तथा विभिन्न विकास कार्यों के लिए एक करोड़ रुपए देने की घोषणा की। उन्होंने बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करने राहौद नगर पंचायत के लिए दो करोड़ रुपए, खरौद नगर पंचायत के लिए तीन करोड़ रुपए तथा नवागढ़ नगर पंचायत के लिए ढाई करोड़ रुपए देने की घोषणा की।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने नगर पंचायत राहौद के वार्ड क्रमांक 8 में सांस्कृतिक भवन लागत 11 लाख रुपए, देवांगन समाज धर्मशाला में अतिरिक्त कक्ष लागत 10 लाख रुपए, वार्ड क्रमांक 15 में सामुदायिक भवन लागत 15 लाख रुपए, वार्ड क्रमांक 10 में पकरिया पारा में स्कूल के पास सांस्कृतिक भवन लागत 10.42 लाख रुपए, नगर पंचायत खरौद में सी.सी. रोड निर्माण कार्य वार्ड क्रमांक 06 व 13 के पांच विभिन्न मार्गों पर 22.45 लाख रुपए की लागत से पूर्ण, वार्ड क्रमांक 13 में पुलिया से मुक्तिधाम तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य लागत 27.41 लाख रुपए, शबरी देवी शिक्षा समिति भवन निर्माण कार्य लागत 9.99 लाख रुपए एवं वार्ड क्रमांक 07 में सामुदायिक भवन निर्माण कार्य लागत 9.83 लाख रुपए, गांधी चौक, मुक्तिधाम, लक्ष्मणेश्वर मंदिर, शीतला मंदिर एवं कंपाटनी मंदिर परिसर में पेवर ब्लॉक कार्य लागत 95.84 लाख रुपए एवं नवागढ़ नगर पंचायत के वार्ड क्रमांक 15 में सांस्कृतिक भवन निर्माण लागत 24.57 लाख रुपए का भी लोकार्पण किया। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि भारतरत्न स्वर्गीय श्री अटल बिहारी बाजपेयी छत्तीसगढ़ राज्य के निर्माता हैं। उनके सम्मान में राज्य के सभी नगरीय निकायों में अटल परिसरों का निर्माण किया जा रहा है। अटलजी ने गांवों, किसानों और नागरिकों के लिए ऐतिहासिक योजनाएं शुरू कीं। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना से गांव-गांव तक पहुंच और विकास संभव हो पाया। किसान क्रेडिट कार्ड योजना से ग्रामीण विकास और किसानों को शून्य ब्याज पर ऋण संभव हुआ। उन्होंने ही छत्तीसगढ़ राज्य के गठन की नींव रखी। आज छत्तीसगढ़िया सबले बढ़िया कहा जाता है, तो उसका श्रेय अटलजी की दूरदृष्टि को जाता है। अटल परिसर उनकी राष्ट्र सेवा, विकास के प्रति दृष्टिकोण और आदर्श मूल्यों को भावी पीढ़ी तक पहुंचाने का एक सशक्त माध्यम बनेगा। श्री साव ने कहा कि यह परिसर केवल एक स्मारक नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा देने वाला केंद्र बनेगा। हमारी सरकार बनने के बाद प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की हर एक गारंटी को पूरा करने का काम तेजी से हो रहा है।

भारतीय जनता पार्टी ने रायपुर जिले के नए पदाधिकारियों की सूची जारी

रायपुर । भारतीय जनता पार्टी ने रायपुर जिले के नए पदाधिकारियों की सूची जारी की है। यह घोषणा भाजपा रायपुर जिलाध्यक्ष रमेश सिंह ठाकुर द्वारा 6 अक्टूबर 2025 को की गई। इस सूची को पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष माननीय किरण सिंह देव और प्रदेश महामंत्री (संगठन) माननीय पवन साय की सहमति प्राप्त है घोषणा के अनुसार, भाजपा ने संगठनात्मक मजबूती और कार्यक्षमता को ध्यान में रखते हुए कुल 32 पदाधिकारियों की नियुक्ति की है। उपाध्यक्ष पद पर सत्यम दुवा, ललित जयसिंग, अकबर अली, सुभाष अग्रवाल, नवीन शर्मा और जितेन्द्र धुरंधर को नियुक्त किया गया है। वहीं, महामंत्री के रूप में अमित मैशेरी और गुंजन प्रजापति की जिम्मेदारी तय की गई है। मंत्री पद पर तुषार चोपड़ा, संजय तिवारी, धध्दा मिथा, रम्भा चौधरी, अर्चना हुकरे और सरोज साहू को शामिल किया गया है। पद्मा दुबे को कोपाध्यक्ष, अनिता देवांगन को कार्यालय मंत्री और चुडामणी निर्मलकर, अनुप खेलकर को सह-कार्यालय मंत्री बनाया गया है। मीडिया और आईटी विभाग में भी नियुक्तियां की गई हैं, जिनमें रोहित दिवेदी को मीडिया प्रभारी, राजकुमार राठी और विकास मिथा को सह-मीडिया प्रभारी नियुक्त किया गया है। सोशल मीडिया की कमान विशाल भरा को दी गई है, जबकि रोहित भारद्वाज, अभिषेक श्रीवास्तव और रविन्द्र सिंह ठाकुर को सह-सोशल मीडिया प्रभारी बनाया गया है।

डॉ. एस. के. वर्मा को लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया

रायपुर। कृषि विज्ञान केंद्र, मुंगेली को बागवानी के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. एस. के. वर्मा को प्रतिष्ठित ÷लाइफ टाइम अचीवमेंट अवॉर्ड÷ से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें 10वें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन ÷ग्लोबल रिसर्च इनिशिएटिव फॉर सस्टेनेबल एग्रीकल्चर एंड एलाइड साइंसेज़÷ के दौरान प्रदान किया गया, जो 5 से 7 अक्टूबर 2025 तक एमपीयूएटी, उदयपुर (राजस्थान) में सम्पन्न हुआ। यह सम्मान मुख्य अतिथि डॉ. अनिल कुमार सिंह, पूर्व कुलपति, आरवीएसकेवीवी, ग्वालियर एवं पूर्व उप महानिदेशक (एनआरएम), आईसीएआर, नई दिल्ली द्वारा प्रदान किया गया। इस अवसर पर डॉ. बी. के. चक्रवर्ती, पूर्व निदेशक, बांग्लादेश सरकार, डॉ. यू. एस. शर्मा, पूर्व कुलपति, एमपीयूएटी, उदयपुर, तथा सम्मेलन के अध्यक्ष डॉ. अजीत कुमार कर्णाटक, कुलपति, एमपीयूएटी, उदयपुर भी उपस्थित रहे।डॉ. वर्मा ने कृषि विज्ञान केंद्र, महासमुंद में अपने कार्यकाल के दौरान बंजर भूमि को उत्पादक बनाने हेतु बागवानी विकास के क्षेत्र में अभिनव कार्य किया। उनके मार्गदर्शन में केंद्र परिसर की अनुपजाऊ भूमि को विकसित कर फ्लोद्यान एवं नर्सरी प्रबंधन की उत्कृष्ट व्यवस्था की गई। आज यह परिसर आम, अमरूद, अनार, बेल, चीकू, सीताफल नींबू, पपीता, कटहल, आँवला, जामुन, इमली आदि फलों के हरित-भरे उद्यान के रूप में विकसित हो चुका है।

साथ ही, डॉ. वर्मा द्वारा किसानों को नर्सरी तकनीक, पौध उत्पादन, बागवानी प्रबंधन एवं सतत कृषि पद्धतियों के प्रशिक्षण देकर उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में सराहनीय योगदान दिया गया है। उनके इन प्रयासों से न केवल कृषि विज्ञान केंद्र की पहचान सुदृढ़ हुई है, बल्कि क्षेत्र के किसानों में बागवानी के प्रति नई चेतना और प्रेरणा का संचार हुआ है।

राज्यपाल रमेन डेका ने उत्कृष्ट कार्य के लिए डाइट के प्राचार्य को सम्मानित किया

रायपुर। राज्यपाल श्री रमेन डेका ने गौरेला पेंड्रा मरवाही जिला प्रवास के दौरान आज उत्कृष्ट कार्य के लिए डाइट के प्राचार्य श्री जे पी पुष्प को कलेक्ट्रेट में शाल और श्रीफल से सम्मानित किया। श्री पुष्प ने 1997 से 2013 तक हायर सेकेण्डरी विद्यालय जैजैपुर में प्राचार्य पद पर रहते हुए विद्यालय को नवाचारी, गतिशील बनाए रखा। इनके कार्यकाल में पूरे विकासखंड के विद्यार्थी इस विद्यालय में अध्ययन करना चाहते थे। इस विद्यालय में विद्यार्थियों के संपूर्ण विकास के लिए कार्यक्रम संपन्न किए जाते थे। दो बार कक्षा 12वीं के विद्यार्थी टॉप 10 में स्थान बनाने में सफल हुए। इस विद्यालय से राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी भी प्राप्त हुए। शिक्षककीय कार्य में सेना तथा प्रशासनिक सेवा के क्षेत्रों में भी इस विद्यालय से बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने उल्लेखनीय स्थान अर्जित किया है। उस समय 2500 विद्यार्थियों की विशाल दर्ज संख्या के लिए शिक्षकों की व्यवस्था करना गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देना तथा व्यक्तित्व विकास का कार्य करना उस समय के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि रहा। श्री जे .पी. पुष्प वर्तमान में डाइट पेंड्रा में प्राचार्य के पद पर कार्यरत है। यहां भी जिले के आकांक्षी युवकों के लिए निशुल्क कोचिंग का संचालन कर रहे हैं। साथ ही एनइपी 2020 के अंतर्गत तीन जिले-मुंगेली, बिलासपुर तथा गौरेला पेंड्रा मरवाही में एफएलएन हेतु मार्गदर्शन, कठपुतली नृत्य, डाइट में संसाधनों की व्यवस्था, उल्लास कार्यक्रम का प्रचार प्रसार, मिनी बॉटनिकल गार्डन का विकास, डाइट परिसर का ईसीसीई की थीम पर साज सज्जा करना , शिक्षकों के लिए टीईटी मार्गदर्शन कक्षाओं का आयोजन करना जैसे महत्वपूर्ण कार्य इनके द्वारा किए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री शिक्षा गुणवत्ता अभियान के अंतर्गत राज्य के 58 हजार शालाओं का सामाजिक अंकेक्षण प्रारंभ

रायपुर। राज्य में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा मुख्यमंत्री शिक्षा गुणवत्ता अभियान के अंतर्गत शालाओं का सामाजिक अंकेक्षण प्रारंभ किया गया है। इस अंकेक्षण का आयोजन राज्य के सभी 58 हजार शालाओं में 6 से 8 अक्टूबर 2025 तक किया जा रहा है।

स्कूल शिक्षा मंत्री श्री गजेन्द्र यादव ने प्रदेश के सभी जिला एवं विकासखण्ड शिक्षा अधिकारियों को निर्देशित किया है कि सामाजिक अंकेक्षण केवल एक औपचारिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि यह बच्चों की शिक्षा की वास्तविक स्थिति जानने और उसे सुधारने का अवसर है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक अधिकारी और शिक्षक को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि समुदाय की भागीदारी सक्रिय हो और अंकेक्षण के निष्कर्षों के आधार पर तुरंत सुधारात्मक कदम उठाया जाए। शिक्षा मंत्री श्री यादव ने यह भी कहा कि यह अभियान शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने की दिशा में राज्य सरकार की प्रतिबद्धता का प्रत्यक्ष उदाहरण है, जिसमें समाज के हर वर्ग की भागीदारी अपेक्षित है।

इस अभियान का उद्देश्य विद्यालयों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के घटकों का त्वरित क्रियान्वयन कर बच्चों की सीखने की उपलब्धियों में सुधार लाना है। सामाजिक अंकेक्षण के माध्यम से समुदाय की भागीदारी सुनिश्चित कर शिक्षा की गुणवत्ता पर ठोस प्रभाव लाने का प्रयास किया जा रहा है।

2 अक्टूबर 2025 को आयोजित ग्राम सभा में विद्यालयों में सामाजिक अंकेक्षण के आयोजन के प्रस्ताव को सर्वसम्मति से स्वीकृति दी गई। इसके बाद प्रत्येक शाला के लिए सामाजिक अंकेक्षण टीमों का गठन किया गया है, जिनमें निकटवर्ती विद्यालय के शिक्षक को टीम लीडर तथा स्थानीय समुदाय से शिक्षा में रुचि रखने वाले सदस्यों को शामिल किया गया है। सामाजिक अंकेक्षण हेतु प्राथमिक, उच्च प्राथमिक एवं हाई-हायर सेकेंडरी स्तर पर प्रश्नावली तैयार करने और प्रशिक्षण देने का कार्य राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद द्वारा किया गया है। समग्र शिक्षा इस कार्यक्रम के नोडल एजेंसी के रूप में कार्य कर रही है। सामाजिक अंकेक्षण के दौरान समुदाय से कुल 20 प्रश्नों पर जानकारी एकत्र की जा रही है। इसमें बच्चों की पठन क्षमता, गणितीय कौशल, शिक्षकों की उपस्थिति, पुस्तकालय उपयोग, परीक्षा परिणाम, स्थानीय भाषा के उपयोग जैसे पहलू शामिल हैं। इसी के साथ समुदाय से प्राप्त प्रतिक्रियाओं के आधार पर विद्यालयों की स्थिति का विश्लेषण किया जाएगा। विद्यालयों द्वारा सामाजिक अंकेक्षण की तिथि तय कर समुदाय के सदस्यों को उपस्थिति हेतु आमंत्रित किया गया है।

चिकित्सकों ने सर्जरी कर कैंसर पीड़ित मरीज की जान बचाने में सफलता हासिल की

रायपुर। डराने के लिए कैंसर का नाम ही काफी है शुरूआती अवस्था में कोई तकलीफदर्द नहीं होने के कारण मरीज इसे नजरअंदाज या लापरवाही के चलते ध्यान नहीं देता है, परन्तु जब तक कुछ तकलीफहो तब तक मरीज का कैंसर बहुत आगे की चरण तक पहुंच चुका होता है तब यह जानलेवा और खतरनाक भी हो जाता है। कुछ ऐसी परिस्थिति से संघर्ष करते हुए बिलासपुर निवासी मरीज लक्ष्मण 61 वर्षीय मुंह में कैंसर के ग्रसित सिम्स बिलासपुर के दंत चिकित्सा विभाग में इलाज के लिए पहुंचा। तंबाकू के कई वर्षों का सेवन करने से उसके मुंह में कैंसर हो गया था, लेकिन सिम्स के दंत चिकित्सा विभाग के चिकित्सकों ने जटिल इलाज व सर्जरी से मरीज की जान बचाने के सफल हुए है। चूंकि उम्र अधिक होने से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता भी घट जाती है। इस स्थिति में इलाज करना चुनौती पूर्ण हो जाता है। मरीज का कैंसर इतना बढ़ गया था, कि गले में उपस्थित लिंफनोड में सूजन काफी बड़ा हो गया था। जिसका साइज 7म6 सेमी बढ़ गया था। जांच में पाया गया की कैंसर की अंतिम स्टेज से ग्रसित होने की पुष्टि हो गई। दंत चिकित्सा विभाग के चिकित्सकों ने सर्जरी का निर्णय लिया, इलाज के लिए आवश्यक खून जांच एक्स-रे और सिटी स्केन कराकर सुनियोजित तरीके से 7-8 घंटे की जटिल सर्जरी कर पूरा किया गया। इस सर्जरी को तीन भागों में किया गया। इसमें कैंसर के साथ संक्रमित जबड़े के हिस्से को निकाला गया। कैंसर जो गर्दन में फैल गया था, उसको निकाला गया और अंत में कैंसर को निकालने के बाद खाली जगह पर छाती से मांस जिसे पीएमएमसी फ्लैप कहते हैं, का टुकड़ा निकालकर लगाकर सर्जरी पूरी की गई। सर्जरी को डॉ. भूपेन्द्र कश्यप के मार्गदर्शन में किया गया। सर्जरी करने वाली टीम में डॉ. संदीप प्रकाश (ओरल एवं मैक्जिलोफेसियल सर्जन) विभागाध्यक्ष, डॉ. जण्डेल सिंह ठाकुर, डॉ. केतकी किनिकर, डॉ. हेमलता राजमणी, डॉ. प्रकाश खरे, डॉ. सोनल पटेल, के अलावा निश्चेतना विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. मधुमिता मूर्ति, एवं मेजर ओटी के अन्य चिकित्सक, स्टाफ, वार्ड बॉय तथा रेडियोडायग्नोसिस की विभागाध्यक्ष डॉ. अर्चना सिंह एवं उनके अन्य स्टाफसहित, सबके संगठित सहयोग से किया गया है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक प्रेमेन्द्र अग्रवाल द्वारा अस्मा पब्लिशर्स इण्डिया प्राईवेट लि.,जयस्तंभ चौक, रायपुर 492001 छ.ग. से मुद्रित तथा C-50 रामा लाईफ सिटी, साकरी, बिलासपुर 495003 (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक – राजेश अग्रवाल ।
(किसी भी विवाद पर न्यायालय क्षेत्र रायपुर होगा) www.lokshakti.in, lokshaktidaily@gmail.com, twitter.com/lokshaktidaily, facebook.com/lokshaktidaily